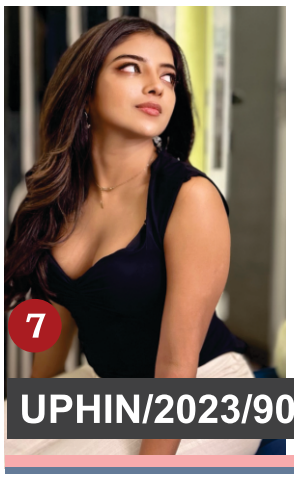

7

UPHIN/2023/90814

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 बंद कमरे में तीन घंटे पूछताछ...पहले उलझाया फिर सबूत देख टूट गया

5 यूपी में खाद की किल्लत, नेपाल में 10 गुनी कीमत पर बेच रहे यूरिया

8 दिग्गजों को नहीं मिली जगह

वर्ष: 03, अंक: 09 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 25 अगस्त,2025

अब 20 साल पुराने वाहन भी चलाएं

पर देना होगा ज्यादा रजिस्ट्रेशन शुल्क

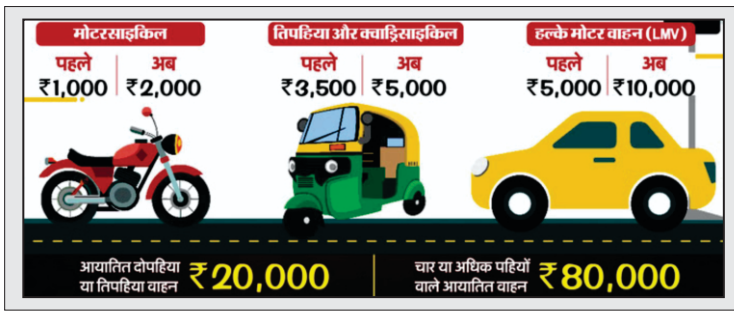

संशोधन का मसौदा फरवरी में जारी किया गया था और 21 अगस्त को इसे अंतिम रूप दिया गया। मंत्रालय ने अक्तूबर 2021 में मोटरसाइकिल, तिपहिया वाहनों और कारों के पंजीकरण और नवीनीकरण शुल्क में वृद्धि की थी।

दिल्ली,एजेंसी। सरकार ने केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में बदलाव किया है। इसका मसौदा फरवरी महीने में जारी किया गया और प्रभावित होने वाले पक्षों से आपत्तियां मांगी गई थी। अब सरकार ने बदलने हुए नियम जारी किए हैं, जो सरकारी गजट में प्रकाशित होने के बाद प्रभाव में आ जाएंगे। नए नियमों के तहत अलग–अलग श्रेणियों के वाहनों के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क तय किया गया है।

अधिसूचना में क्या–क्या

20 साल से ज्यादा पुरानी मोटरसाइकिलों के लिए नवीनीकरण शुल्क 1,000 रुपये से बढ़कर 2,000 रुपये हो जाएगा।

तिपहिया और क्वाड्रिसाइकिलों के लिए नवीनीकरण शुल्क 3,500 रुपये से बढ़कर 5,000 रुपये हो जाएगा।

आयातित दोपहिया या तिपहिया वाहनों के मामले में पंजीकरण प्रमाणपत्र के नवीनीकरण की लागत 20,000 रुपये होगी।

चार या अधिक पहियों वाले आयातित वाहनों के लिए यह 80,000 रुपये होगी।

सरकार ने ऐसा क्यों किया?

परिवहन मंत्रालय ने 20 साल से ज्यादा पुराने मोटर वाहनों के पंजीकरण नवीनीकरण शुल्क में वृद्धि की है, ताकि लोगों को इन्हें रखने से हतोत्साहित किया जा सके। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (डवत्ज) ने एक अधिसूचना में घोषणा की है कि 20 साल से ज्यादा पुराने हल्के मोटर वाहनों (स्डट) के लिए नवीनीकरण शुल्क 5,000 रुपये से दोगुना करके 10,000 रुपये कर दिया गया है।

अक्तूबर २०२१ में भी शुल्क में वृद्धि हुई थी

संशोधन का मसौदा फरवरी में जारी किया गया था और 21 अगस्त को इसे अंतिम रूप दिया गया। मंत्रालय ने अक्तूबर 2021 में मोटरसाइकिल, तिपहिया वाहनों और कारों के पंजीकरण और नवीनीकरण शुल्क में वृद्धि की थी।

दिल्ली–एनसीआर का मामला सुप्रीम कोर्ट के पास

इस महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को दिल्ली–एनसीआर में 10 साल से ज्यादा पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से ज्यादा पुराने पेट्रोल वाहनों के मालिकों के खिलाफ जबरदस्ती कार्रवाई न करने का आदेश दिया था। यह फैसला तब आया है, जब दिल्ली सरकार ने अदालत से आग्रह किया कि वाहनों की जीवन अवधि समाप्त होने की नीति को लागू करते समय सिर्फ उनके निर्माण वर्ष के बजाय उनके वास्तविक उपयोग पर विचार किया जाए।

एक लाख का इनामी बदमाश शंकर कनौजिया एनकाउंटर में ढेर

आजमगढ़ में एसटीएफ के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया

इनामी शंकर कन्नौजिया की फाइल फोटो।

उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने एक मुठभेड़ में शंकर कन्नौजिया को मार गिराया। उस पर एक लाख रुपये का इनाम था। शंकर ने ड्राइवर की हत्या कर पिकअप लूटकर फरार हो गया था।

गोरखपुर,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में एक लाख का इनामी बदमाश शंकर कनौजिया एनकाउंटर में ढेर हो गया है। यूपी एसटीएफ के साथ हुई मुठभेड़ में शंकर कनौजिया मारा गया है। शंकर कनौजिया के साथ हथियार भी बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, यूपी एसटीएफ ने मुठभेड़ में इनामी शंकर कन्नौजिया को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। शंकर पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था। आजमगढ़ में हुई इस मुठभेड़ में अपराधी के पास से एक कार्बाइन, एक पिस्टल और कारतूस बरामद किए गए। यूपी एसटीएफ ने बताया कि यह अपराधी 2011 से फरार था। इसके बाद वह लूट और अपहरण जैसे अपराधों को अंजाम देता रहा।

जानकारी के अनुसार, आजमगढ़ के जहानागंज थाना इलाके में शनिवार को यूपी एसटीएफ और बदमाश में मुठभेड़ हो गई। पुलिस पर फायर कर भाग रहा एक लाख का इनामी बदमाश शंकर कनौजिया गोली से ढेर हो गया। उक्त आरोपी रौनापार थाना इलाके के हाजीपुर गांव का निवासी था। जान से मारकर पिकअप लूटने के मामले में फरार चल रहे आजमगढ़ रौनापार थाना क्षेत्र के हाजीपुर गांव का निवासी शंकर कन्नौजिया वाराणसी जोन के एडीजी पीयूष मोर्डिया ने एक लाख का इनाम घोषित किया है।

एसडीएम का आवास, तहसील परिसर और कई घरों में मलबा घुसा, कई वाहन दबे
एक युवती के भी मलबे में दबे होने की सूचना, प्रशासन की टीम बचाव कार्य में जुटी

एजेंसी, देहरादून। सूबे में वर्षा से नुकसान का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को आधी रात के बाद चमोली जिले के थराली कस्बे में बादल फटने से एसडीएम आवास और तहसील परिसर के साथ ही कई घरों में मलबा घुस गया। एक युवती के भी मलबे में दबे होने की सूचना है। तहसील मुख्यालय थराली बाज़ार केदारबगढ़, राडिबगढ़, चेपड़ों में भारी नुकसान बताया जा रहा है।

पुलिस–प्रशासन की टीम बचाव एवं राहत कार्यों में जुटी है। मलबे में दबने से कई वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद जिला प्रशासन ने थराली तहसील के 12वीं तक के सभी विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में शनिवार को अवकाश घोषित कर दिया है।

जिला आपदा कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार, रात करीब एक बजे थराली कस्बे में भारी वर्षा के बीच बादल फटा। इससे तेज प्रवाह के साथ आया पानी और मलबा कस्बे के कई आवासीय भवनों में घुस गया। सड़कें तालाब बन गईं। एसडीएम थराली के आवास और तहसील परिसर में भी मलबा भर गया। तहसील परिसर में खड़े कुछ वाहन मलबे में दब गए। वहीं, कस्बे के पास स्थित सागवाड़ा गांव में एक युवती मलबे में दब गई। इससे पूरे क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई। घरों से लोग चीखते हुए बाहर की ओर भागे। ब्लाक प्रमुख थराली प्रवीण पुरोहित ने बताया कि तीन जगह बादल फटने की घटना हुई है। नगर पंचायत थराली अध्यक्ष सुनीता रावत के आवास के पास 10 से 12 फीट मालबा भर गया है। एसडीएम आवास की दीवार भी टूटी है। थराली बाजार से 20 से 40 मीटर पहले काफी दुकानें बह गई हैं। जिलाधिकारी डा. संदीप तिवारी ने बताया कि पुलिस–प्रशासन की टीम मौके पर है और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

चमोली जिले के थराली कस्बे में बादल फटने से एसडीएम आवास और तहसील परिसर में मलबा घुस गया। एक युवती के मलबे में दबे होने की खबर है। थराली बाज़ार केदारबगढ़ राडिबगढ़ चेपड़ों में भारी नुकसान हुआ है।

थैले में नवजात बेटे की लाश

डीएम आफिस पहुंच पिता पूछता रहा, इसकी मां को क्या जवाब दूं? साहब इसे जिन्दा कर दो

लखीमपुर खीरी,संवाददाता। पीड़ित को सांत्वना देने के बाद सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता और एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह दलबल के साथ गोलदार अस्पताल पहुंचे। टीम ने जांच शुरू की और डीएम को मामले से अवगत कराया। डीएम के निर्देश पर अस्पताल को सील कर दिया गया। नवजात बेटे की मौत के बाद पीड़ित पिता काफी देर तक भटकता रहा। हाथ में टंगे थैले में शिशु का शव लेकर पिता विपिन जब कलक्ट्रेट स्थित डीएम कार्यालय में चल रही बैठक में पहुंचा तो थैले में शव देखकर अधिकारियों के भी पसीने छूट गए।

आप ही बता दो कि इसकी मां को क्या जवाब दें

अधिकारियों की चौखट पर पहुंचा विपिन रोता–बिलखता रहा। बीच–बीच में अपना दर्द समेटकर वह अधिकारियों से बस एक ही बात कहता रहा कि साहब किसी तरह बच्चे को जिंदा कर दो। इसकी मां दूसरे अस्पताल में भर्ती है। उसे बताया है कि बच्चे की हालत ठीक नहीं है, इसलिए दूसरी जगह भर्ती कराया है। आप ही बता दो कि इसकी मां को क्या जवाब दें। पीड़ित की व्यथा सुनकर अधिकारियों का भी दिल पसीज गया।

अस्पताल को सील कर दिया गया

पीड़ित को सांत्वना देने के बाद सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता और एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह दलबल के साथ गोलदार अस्पताल पहुंचे। टीम ने जांच शुरू की और डीएम को मामले से अवगत कराया। डीएम के निर्देश पर अस्पताल को सील कर दिया गया। वहीं, अस्पताल में भर्ती तीन मरीजों को जिला महिला अस्पताल शिफ्ट कराया।

सम्पादकीय

उपराष्ट्रपति पद और विचारधारा का चुनाव

मोदी सरकार की किसी भी मामले में मनमानी अब विपक्ष चलने नहीं देगा, इसका एक और उदाहरण सामने आ चुका है। 9 सितम्बर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। गैर राजनैतिक पृष्ठभूमि से आने वाले श्री रेड्डी का मुकाबला एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से होगा। जो इस समय महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। उससे पहले दो बार सांसद रह चुके हैं। तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष पद को भी संभाल चुके हैं। सी पी राधाकृष्णन के सुदीर्घ राजनैतिक अनुभव और भाजपा के लिए एकनिष्ठता को देखते हुए ही नरेन्द्र मोदी ने उनका नाम उपराष्ट्रपति पद के लिए आगे बढ़ाया। लेकिन इसके साथ एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि अगले साल होने वाले तमिलनाडु चुनाव में भाजपा सी पी राधाकृष्णन के नाम को भुनाना चाहती है। तमिलनाडु में भाजपा का जनाधार है ही नहीं और एआईएडीएमके के कारण जो थोड़ी बहुत पैठ थी, वो भाषायी विवाद से प्रभावित हो चुकी है। डीएमके की मजबूती भाजपा की तमिलनाडु में उम्मीदों को पूरा नहीं होने दे रही है। ऐसे में तमिलनाडु से उपराष्ट्रपति बनाकर भाजपा ने बड़ा दांव चलने की तैयारी कर ली थी। भाजपा को खुशफहमी थी कि विपक्ष थोड़ी बहुत ना नुकुर के बाद सी पी राधाकृष्णन के नाम पर हामी भर देगा। लेकिन विपक्षी दलों के नेताओं से विचार विमर्श के बाद मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बी सुदर्शन रेड्डी के नाम की घोषणा की। खरगे ने कहा कि सुदर्शन रेड्डी के नाम पर सर्वसम्मति से सहमति बनी। इंडिया ब्लॉक की बैठक में श्री रेड्डी के नाम पर मुहर लगी थी। इसके साथ कांग्रेस अध्यक्ष ने एक जरूरी बात कही कि यह विचारधारा की लड़ाई है। संदेश स्पष्ट है कि अब विचारधारा की लड़ाई को किसी भी तरीके विपक्ष छोड़ेगा नहीं, फिर चाहे वह संवैधानिक पद ही क्यों न हो। दरअसल इंडिया गठबंधन ने सुदर्शन रेड्डी को उतारकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह संविधान, न्यायपालिका और पारदर्शिता के पक्षधर चेहरे को आगे रख रहा है। विपक्ष का मानना है कि श्री रेड्डी की साफ–सुथरी छवि और न्यायिक अनुभव उन्हें उपराष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार बनाता है। सुप्रीम कोर्ट से रिटायर होने के बाद बी सुदर्शन रेड्डी को गोवा का पहला लोकायुक्त नियुक्त किया गया था, जहां उन्होंने ईमानदार और सख्त छवि वाले अधिकारी के रूप में काम किया। भ्रष्टाचार के मामलों में उन्होंने बिना दबाव के जांच की और पारदर्शिता की पैरवी की। इसलिए उनसे उम्मीद बंधी है कि अगर वे उपराष्ट्रपति बनते हैं तो फिर बिना भेदभाव के कार्य करेंगे। जबकि सी पी राधाकृष्णन ने उम्मीदवारी घोषित होने के बाद जो आभार जताया है, उसमें नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, जे पी नड्डा सबके लिए बार–बार सम्मानित और प्रिय लिख कर बता दिया कि अगर वे उपराष्ट्रपति बनते हैं तो भाजपा की तरफ झुकने से खुद को बचाना उनके लिए कठिन होगा। देश में अब बिहार चुनाव से पहले उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच मुकाबला होगा। वैसे भारत के संसदीय इतिहास में उपराष्ट्रपति पद के लिए राजनैतिक दांव–पेंच बहुत कम देखने मिले। अमूमन सत्ता और विपक्ष की सहमति से एक ऐसा नाम तय कर लिया जाता था, जिसे संविधान का ज्ञान हो, संवैधानिक मर्यादाओं का ख्याल हो और उपराष्ट्रपति पद की गरिमा के अनुरूप दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जो कार्य कर सके। मोदी सरकार के आने के बाद यह परंपरा टूटने लगी। पिछले बार जगदीप धनखड़ और मार्गरेट अल्वा के बीच चुनाव हुआ था, जिसमें श्री धनखड़ जीत गए थे। लेकिन उनके कार्यकाल में कई किस्म के विवाद खड़े हुए। नौबत तो ऐसी आ गई थी कि पिछले साल दिसंबर में श्री धनखड़ पर पक्षपात के गंभीर आरोप लगाते हुए विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस तक दे दिया था। हालांकि अविश्वास प्रस्ताव खारिज हो गया, लेकिन इससे यह तो जाहिर हो ही गया कि उपराष्ट्रपति पद पर बैठे जगदीप धनखड़ नीर–क्षीर विवेक की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। स्वरूप ही ऐसे दिन रहे होंगे, जब विपक्ष और उनके बीच बहस न हुई हो। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के आखिरी सत्रों में और तीसरे कार्यकाल में भी विपक्ष के साथ सभापति के तनाव का सिलसिला तेज हुआ। लेकिन इस बार मानसून सत्र की शुरुआत के साथ ही पहले दिन जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दे दिया। यह अब तक रहस्य ही है कि जगदीप धनखड़ कहां हैं, किस हाल में हैं, क्या वाकई उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था, जिसे कारण बताकर ही उन्होंने पद छोड़ा, अगर स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो उनका इलाज किस अस्पताल में चल रहा है, घर पर चल रहा है तो उसका कोई अपडेट क्यों नहीं है, क्यों इस्तीफे के दिन से अब तक किसी भी भाजपा नेता के साथ न उनका कोई संवाद सामने आया, न मुलाकात की तस्वीरें दिखीं। नरेन्द्र मोदी ने रुखा सा ट्वीट कर उनके कार्यकाल का जिक्र किया था, स्वास्थ्य लाभ की बात कही थी, लेकिन उसका भी जवाब धनखड़जी ने नहीं दिया। 79 सालों में ऐसा कभी नहीं हुआ जब देश में इतने महत्वपूर्ण पद पर बैठे व्यक्ति को यूं लापता होना पड़े। यह पूरा प्रकरण मोदी सरकार के कामकाज के तरीकों पर गंभीर सवाल उठाता है। लेकिन सुर्खियों का प्रबंधन मीडिया से कैसे करवाना है, यह भाजपा को खूब आता है। लिहाजा पूर्व उपराष्ट्रपति की गुमशुदगी खबर ही नहीं बनी, जबकि कपिल सिब्बल जैसे लोगों ने इस पर सवाल उठाए थे। देश में दूसरे मुद्दों की चर्चा होती रही। इस बीच सी पी राधाकृष्णन का नाम भाजपा ने तय कर लिया और फिर विपक्ष को इसकी खबर दी। इसके बाद नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न दलों, खासकर विपक्ष से राधाकृष्णन का समर्थन करने की अपील की ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनका सर्वसम्मति से चुनाव हो। अगर नाम घोषित करने से पहले भाजपा ने सर्वसम्मति बनाने की कोशिश की होती तो समझ आता, लेकिन पहले नाम तय कर लिया और फिर विपक्ष से साथ मांगा तो अब विपक्ष ने भी अपना जवाब दे दिया है। खास बात यह है कि बी सुदर्शन रेड्डी के नाम पर समूचा विपक्ष एक साथ है, जिसमें आम आदमी पार्टी भी शामिल है। राज्यसभा में संख्याबल इस समय एनडीए के पास है, लेकिन विपक्ष की चुनौती फिर भी भाजपा को परेशान कर रही है।

और घिर गया चुनाव आयोग

मुख्य चुनाव आयुक्त समेत तीनों चुनाव आयुक्तों की प्रेस कांफ्रेंस से देश में मताधिकार की रक्षा और मत चोरी के सवाल पर नयी हलचल खड़ी हो चुकी है। चुनाव आयोग को यह गलतफहमी रही होगी कि उसकी प्रेस कांफ्रेंस के बाद विपक्ष थोड़ा दब जाएगा। लेकिन अब विपक्ष दोगुनी ताकत से चुनावी घोटाले पर आवाज उठा रहा है। सोमवार को आठ विपक्षी दलों के सांसदों ने दिल्ली के कॉस्टीट्यूशन क्लब में प्रेस कांफ्रेंस की। खास बात यह थी कि इसमें आम आदमी पार्टी से सांसद संजय सिंह भी शामिल हुए, जबकि आप ने घोषणा की है कि वह अब इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है। कांग्रेस से गौरव गोगोई और नासिर हुसैन, सपा से रामगोपाल यादव, राजद से मनोज झा, वामदलों से जॉन ब्रिटास, डीएमके से तिरुचि शिवा, शिवसेना से अरविंद सावंत और टीएमसी से महुआ मोइत्रा इन आठ सांसदों ने पत्रकारों के जरिए देश के सामने फिर से निर्वाचन आयोग पर गंभीर सवाल उठाए। बल्कि कुछ ऐसे सवाल भी उठे, जिनमें निर्वाचन आयोग की सत्तापक्ष की तरफ झुकाव का साफ आरोप था। हमने इसी जगह कल लिखा था कि निर्वाचन आयोग 7 अगस्त की राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस के बाद केवल वक्तव्य जारी कर रहा था, जबकि उसके पास सामने आकर जवाब देने के लिए पूरा वक्त था। लेकिन आयोग ने सामने आकर अपनी बात रखने के लिए वही दिन चुना जब राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार में वोटर अधिकार यात्रा पर निकल रहे थे। फिर भी बड़ी संख्या में पत्रकार चुनाव आयोग की प्रेस कांफ्रेस में पहुंचे और यह देखकर अच्छा लगा कि कमोबेश तमाम पत्रकारों ने सीधे–सीधे सवाल चुनाव आयोग से किए। यह खेदजनक है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एक बार में पांच–पांच सवाल तो सुने, लेकिन किसी का भी सीधा जवाब नहीं दिया।

जलेबी की तरह बात को घुमाया जाता रहा कि वोट चोरी के आरोप लगाना संविधान का अपमान है, हमारे सामने सब समकक्ष हैं, कोई पक्ष–विपक्ष नहीं है, सच सच होता है और सूरज पूरब से निकलता है। 80 मिनट की प्रेस कांफ्रेंस के बाद ज्ञानेश कुमार अपने सहयोगियों के साथ उठकर चले गए, लेकिन 79 बरसों से जो लोकतंत्र देश में बना हुआ है, उसे बचाए रखने की कोई आश्वस्ति उनके जवाबों से नहीं मिली। लिहाजा सोमवार को पांच दिनों के अंतराल के बाद फिर से जब संसद का मानसून सत्र लगा तो विपक्ष को विरोध के लिए संसद परिसर में उतरना पड़ा। लोकसभा और राज्यसभा के भीतर भी स्पेशल इंटेसिव रिविजन (एसआईआर) पर चर्चा की मांग विपक्ष करता रहा। जिसके कारण सदन बाधित हुआ। आसंदी पर बैठे महानुभावों का कहना है कि एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है इसलिए उस पर चर्चा नहीं हो सकती। तो क्या यही तर्क चुनाव आयोग पर लागू नहीं होता कि जब दो दिन में सुप्रीम कोर्ट फिर से अपनी सुनवाई को आगे बढ़ा रहा है और हो सकता है इस बार कोई फैसला ही आ जाए, तब चुनाव आयोग को छुट्टी के दिन दोपहर में प्रेस कांफ्रेंस क्यों की, क्या आयोग कुछ दिन और नहीं रुक सकता था। विपक्षी दलों की प्रेस कांफ्रेंस में यह मुद्दा भी उठा। इसके अलावा बिहार में एसआईआर की गड़बड़ियों पर पुराने सवालों को विपक्ष ने दोहराया। ज्ञानेश कुमार के लिए सवाल उछाला गया कि जब कश्मीर से कन्याकुमारी तक मतदान केंद्रों के बाहर महिलाएं खड़ी रहती हैं और उनसे मीडिया बात करता है, तब क्या माताओं–बहनों की निजता का हनन नहीं होता।

महुआ मोईत्रा ने बताया कि ममता बनर्जी ने सबसे पहले प.बंगाल में दो–दो एपिक कार्ड की गड़बड़ी पकड़ी थी तो संजय सिंह ने दिल्ली का उदाहरण दिया कि विधानसभा चुनावों से पहले कई सांसदों के घरों पर 15–20 लोगों के मतदान कार्ड बने। जॉन ब्रिटास ने बताया कि केरल की एकमात्र सीट किस तरह बीजेपी ने जीती तो अरविंद सावंत ने बताया कि किस तरह चुनाव आयोग पूरी तरह से सत्ता के पक्ष में है, क्योंकि शिवसेना का नाम और निशान पार्टी तोड़ने वाले एकनाथ शिंदे को दिया गया, जबकि वे इसके पात्र नहीं थे। गौरव गोगोई ने पूछा कि राहुल गांधी को एफिडेविट दिखाने कहते हैं तो अनुराग ठाकुर से एफिडेविट क्यों नही मांगते। और रामगोपाल यादव ने उन शपथपत्रों की पावती दिखा दी, जो चुनाव आयोग ने सपा के 18 हजार शपथपत्रों पर दी थी। राजद सांसद मनोज झा ने संविधान के अपमान वाले बयान पर ज्ञानेश कुमार को घेरा कि आपसे सवाल करना संविधान का अपमान नहीं है, क्योंकि आप संविधान से हैं, खुद संविधान नहीं हैं। श्री झा ने पहले निर्वाचन आयुक्त सुकुमार सेन का स्मरण ज्ञानेश कुमार को कराया कि उन्होंने जिस तरह का मापदंड स्थापित किया था, चुनाव आयोग को उसके मुताबिक चलना चाहिए, सरकार के निर्देशों पर नहीं। कुल मिलाकर रविवार को कई चैनलों से लेकर सोशल मीडिया तक मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की जो आलोचना हो रही थी, सोमवार की विपक्ष की प्रेस वार्ता के बाद वो और तेज होगी, साथ ही मोदी सरकार के रवैये पर भी सवाल की तीक्ष्णता बढ़ेगी, यह तय है। बेशक रविवार शाम ही उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए उम्मीदवार के तौर पर सी पी राधाकृष्णन का नाम घोषित कर भाजपा ने चुनाव चोरी के मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश की, लेकिन सोमवार सुबह ही नजर आ गया कि भाजपा अपने मकसद में कामयाब नहीं हुई है। बल्कि विपक्ष की आवाज दबाने के चक्कर में उसने इंडिया गठबंधन को और मजबूत होने का मौका दे दिया है। आखिरी बात, विपक्षी दलों की प्रेस कांफ्रेंस में सारे सांसद अलग–अलग दलों और राज्यों के थे।

उनके हिंदी और अंग्रेजी बोलने का लहजा एक–दूसरे से बिल्कुल अलग था। फिर भी सबने सबकी बात सुनी भी और समझी भी। भाषायी विविधता और दलगत विचारधारा की भिन्नता के बावजूद सबने सबका साथ दिया, यही इंडिया की खूबसूरती है। काश हमेशा एक ही रंग में सबको रंगने की कोशिश करने वाले लोग इसे समझ पाते।

भयावह संकट खड़ा कर चुका है केन्द्रीय चुनाव आयोग

राहुल ने अपने आरोपों के साथ सबूत के तौर पर महज एक विधानसभा क्षेत्र से संबंधित हजारों पन्नों के दस्तावेज भी पेश किए थे, जिनका विश्लेषण करने में उनकी टीम को छह महीने का समय लगा था, लेकिन अनुराग ठाकुर ने महज 7 दिन में ही पांच लोकसभा और एक विधानसभा क्षेत्र के बारे में बता दिया कि वहां की मतदाता सूचियों में लाखों लोग फर्जी और संदिग्ध हैं। पिछले सात–आठ सालों के दौरान वैसे तो देश की सभी संवैधानिक संस्थाओं की साख और विश्वसनीयता पर बट्टा लग चुका है, लेकिन चुनाव आयोग की साख तो सिरे से ही चौपट हो गई है। हैरानी की बात यह है कि अपने काम–काज और फैसलों पर लगातार उठते सवालों के बावजूद चुनाव आयोग ऐसा कुछ करता हुआ नहीं दिखता, जिससे लगे कि वह अपनी मटियामेट हो चुकी साख को लेकर जरा भी चिंतित है। उसकी कार्यशैली पर उठने वाले सवालों पर जिस तरह सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी के नेता उसका बचाव करते हैं, उसे देखते हुए कोई उसे 'चुनाव मंत्रालय' कहता है, तो कोई सत्ताधारी पार्टी के गठबंधन का सदस्य। सोशल मीडिया में तो उसे 'केंचुआ' तक कहा जाने लगा है। हकीकत यह है कि जो भी नया मुख्य चुनाव आयुक्त आता है, वह अपने पूर्ववर्ती की तुलना में खुद को सरकार का बड़ा खिदमतगार साबित करने में जुट जाता है और ऐसा करने में वह सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को भी नजरअंदाज करने में कोई संकोच नहीं करता है। चूंकि चुनाव आयोग अपने मान–अपमान की चिंता से मुक्त है और उसके पास अपनी कारगुजारियों के पक्ष में तार्किक दलीलें भी नहीं होतीं, लिहाजा वह अपनी आलोचना का जवाब देने के लिए सामने आने से अमूमन बचता है। अलबत्ता उसकी ओर से खुद प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी के नेता जरूर जवाब देते हैं। वे चुनाव आयोग को नेकचलनी का प्रमाणपत्र देते हुए कहते हैं कि विपक्षी दल चुनाव आयोग का अपमान कर रहे हैं। इस समय भी यही हो रहा है। चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता के सवाल पर चुनाव आयोग और विपक्षी दलों के बीच जंग छिड़ी हुई है। उनकी इस जंग का अभी तक का चरम बीते रविवार को दिखा, जब बिहार में विपक्षी दलों के महागठबंधन ने चुनाव आयोग को निशाने पर रखते हुए 'वोटर अधिकार यात्रा' शुरू की और दूसरी ओर नई दिल्ली में वह चुनाव आयोग भी प्रेस कांफ्रेंस के जरिये मैदान में आ गया, जिसकी ओर से अभी तक सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं ने मोर्चा संभाल रखा था; या जो अपनी बात को किन्हीं सूत्रों के हवाले से मीडिया में प्रचारित करवा रहा था। केंद्र सरकार के इशारे पर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में काम कर रहा है। इस सिलसिले में बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अचानक शुरू किया गया मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तो मुद्दा है ही, इसी के साथ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा पिछले दिनों एक प्रेस कांफ्रेंस में पेश किए गए कई सबूत भी हैं, जो चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। राहुल गांधी ने इसमें बताया था कि बेंगलूर सेंट्रल लोकसभा सीट के तहत आने वाले महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख दो सौ पचास फर्जी मतदाताओं के जरिये किस तरह चुनाव को भाजपा के पक्ष में प्रभावित किया गया था।

7 अगस्त को लगाए थे। उसके ठीक एक हफ्ते बाद 14 अगस्त को भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी एक प्रेस कांफ्रेंस के जरिये हूबहू वैसे ही आरोप राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव, डिंपल यादव, तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर लगाए। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने अपने–अपने चुनाव क्षेत्र में लाखों की संख्या में फर्जी और संदिग्ध वोटरों के नाम मतदाता सूची में शामिल करवा कर चुनाव जीता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जिन संदिग्ध लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराए गए वे ज्यादातर विदेशी घुसपैठिये हैं। राहुल ने अपने आरोपों के साथ सबूत के तौर पर महज एक विधानसभा क्षेत्र से संबंधित हजारों पन्नों के दस्तावेज भी पेश किए थे, जिनका विश्लेषण करने में उनकी टीम को छह महीने का समय लगा था, लेकिन अनुराग ठाकुर ने महज 7 दिन में ही पांच लोकसभा और एक विधानसभा क्षेत्र के बारे में बता दिया कि वहां की मतदाता सूचियों में लाखों लोग फर्जी और संदिग्ध हैं।

बंद कमरे में तीन घंटे पूछताछ...पहले उलझाया फिर सबूत देख टूट गया

फर्जी दस्तावेजों के जरिये आधार कार्ड बनाने का मामला, पूछताछ में एटीएस को मिलीं अहम जानकारियां
चौरीचौरा इलाके के चौरी खास गांव में दो कार से 14 लोग पहुंचे तो मच गया हड़कंप

सरदारनगर (गोरखपुर),संवाददाता। विदेशी नागरिकों का फर्जी आधार कार्ड बनाने के मामले में गिरफ्तार किए गए राजीव तिवारी उर्फ राजू से एटीएस के अधिकारियों ने करीब तीन घंटे तक बंद कमरे में पूछताछ की। पहले तो वह सवालों पर टाल–मटोल कर रहा था लेकिन जब टीम ने उसके मोबाइल की जांच साइबर एक्स्पर्ट से कराकर सबूत के साथ पूछताछ की तो वह टूट गया। उसने कुछ अहम जानकारियां टीम को दी हैं। अब इस जानकारी के जरिये टीम पूरे नेटवर्क तक पहुंचने में जुट गई है। राजू के घर की तलाशी में एटीएस को आधार कार्ड, लैपटॉप अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और पहचान पत्र आदि के दस्तावेज मिले।

एटीएस की टीम बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12:30 बजे चौरीचौरा थानाक्षेत्र के चौरी खास गांव में पहुंची। लखनऊ नंबर की रजिस्टर्ड दो कारों में टीम के 14 सदस्य मौजूद रहे। टीम को देख गांव में हड़कंप मच गया। जब टीम पहुंची तो राजू के अलावा उसका भतीजा मौजूद था। परिवार के अन्य सदस्य

अयोध्या दर्शन करने गए थे। टीम ने करीब तीन घंटे तक पूरे घर के एक–एक कोने की तलाशी ली।

एटीएस के अधिकारियों ने राजू से बंद कमरे में तीन घंटे तक पूछताछ की। उसका मोबाइल फोन स्वीच ऑफ करा दिया गया। इस दौरान घर के आसपास बाहरी लोगों को खड़े होने की अनुमति नहीं दी गई। तलाशी के दौरान टीम ने उसके घर से 20 से ज्यादा आधार कार्ड, लैपटॉप, अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और पहचान पत्र बनाने के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले जरूरी दस्तावेजों को कब्जे में ले लिया। इस दौरान टीम के कुछ सदस्य घर के बाहर तैनात रहे। टीम में एटीएस के अधिकारियों के साथ साइबर एक्सपर्ट भी शामिल रहे। करीब तीन घंटे तक पूछताछ के बाद राजू को गिरफ्तार कर टीम अपने साथ लखनऊ ले गई।

एक साल पहले बंद किया जनसेवा केंद्र फिर घर से करने लगा काम

ग्रामीणों के अनुसार, राजू तिवारी चौरीचौरा में छह साल से जनसेवा केंद्र खोल कर आधार कार्ड समेत अन्य पहचान पत्र बनाने का काम करता था लेकिन एक साल पहले उसने दुकान बंद कर दी। इसके बाद वह घर पर ही चोरी–छिपे आधार कार्ड व पहचान पत्र बनाने का काम करता था। एटीएस की कार्रवाई के बाद गांव में तरह–तरह की चर्चा है।

इस सवालों का जवाब ढूंढ़ रही थी टीम

एटीएस सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने तीन घंटे तक पूछताछ में राजू से कई सवाल किए। उससे पूछा गया कि वह किस–किस के संपर्क में है, उससे कौन–कौन मिलने आते थे। साथ ही उससे पूछा गया कि उसके ई–मेल पर इतने दस्तावेज कैसे हैं। कहां से आए तो वह इसका सही से जवाब नहीं दे पाया।

दो भाइयों में छोटा है राजू

ग्रामीणों ने बताया कि राजू के पिता अवधेश तिवारी कोयले की फैक्टरी में काम करते थे। हाल ही में रिटायर होने के बाद वह गांव आकर रहने लगे थे। राजू दो भाइयों में छोटा है।

बड़ा भाई मुन्ना तिवारी घर पर रहकर खेती–बाड़ी का काम देखता है। 10 साल पहले राजू की शादी हुई थी। उसकी एक बेटी है।

मामी–भांजे में बढ़ी नजदीकियां

होने लगी बात- ऐसा क्या हुआ...
भांजा करने लगा दबरदस्ती-

महाराजगंज,संवाददाता। पुलिस को दिए गए तहरीर में पीड़िता ने बताया कि घर पर मेरे भांजे का आना जाना था। इस बीच दोनों में नजदिकियां बढ़ गई। इसके बाद हम दोनों का फोन पर बातचीत होने लगा। कुछ दिनों बाद जब मैने बात करना बन्द कर दिया तो कई नंबर से फोन कर परेशान करने लगा।

श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के एक गांव में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, एक युवक अपनी ही मामी को फोन कर लगातार परेशान कर रहा था। जब महिला ने विरोध किया तो युवक आक्रोशित हो गया और जबरन उनके घर में घुसने का प्रयास किया। मामले में पुलिस ने आरोपी भांजे के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है। पुलिस को दिए गए तहरीर में पीड़िता ने बताया कि घर पर मेरे भांजे का आना जाना था। इस बीच दोनों में नजदिकियां बढ़ गई। इसके बाद हम दोनों का फोन पर बातचीत होने लगा। कुछ दिनों बाद जब मैने बात करना बन्द कर दिया तो कई नंबर से फोन कर परेशान करने लगा। बुधवार को सुबह नौ बजे के करीब में भांजा घर आकर जबरजस्ती घर में घुसने लगा।

जब मैने मना किया तो वह गाली गुप्ता देते हुए मुझे मारने पिटने लगा जिससे मुझे काफी चोटें आईं है। शोर शराबा सुनकर अगल बगल के लोग आने लगे तो वह जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने बताया कि मामले में पीड़ित महिला की तहरीर पर आरोपी राहुल निवासी परसौनी थाना घुघली के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

घर में बेटी की शादी की चल रही थी तैयारियां...

ग्रिल तोड़कर 10 लाख नकदी समेत 70 लाख की चोरी

गोरखपुर,संवाददाता। ग्राम प्रधान के बेटे व भट्ठा संचालक कृष्णपाल ने बताया कि उनकी छोटी बहन की शादी तय हो चुकी है। डेट फाइनल होना बाकी है। जेवर के साथ कपड़ों की भी खरीदारी हो चुकी थी। पूरा सामान मां शारदा चंद्र के कमरे में रखा हुआ था। मंगलवार देर रात पूरा परिवार कमरे में सो रहा था। मंगलवार को उमस के चलते मां, बहन के कमरे में सोने चली गईं।

गोला/जानीपुर। दुबौली के सहदोडॉड़ गांव में बेटी की शादी से पहले महिला ग्राम प्रधान शारदा चंद्र के घर चोरी हो गई। मंगलवार देर रात खिड़की का ग्रील तोड़कर भीतर घुसे तीन नकाबपोशों ने 10 लाख रुपये समेत 70 लाख के जेवर व कपड़े उड़ा दिए। घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में तीन आरोपियों की तस्वीर कैद हुई है।

सूचना पर फॉरेंसिक टीम संग पहुंचे एसपी साउथ जितेंद्र कुमार तोमर ने छानबीन की।

एसपी ने मामले के पर्दाफाश के लिए क्राइम ब्रांच के साथ सर्विलांस की टीम को भी लगाया है। वहीं देर रात एसएसपी राजकरन नय्यर ने गोला थाना प्रभारी अंजुल चतुर्वेदी को लाइन हाजिर कर दिया। उनके स्थान पर पुलिस लाइन से संबद्ध निरीक्षक राहुल शुक्ल को तैनाती दी गई है।

ग्राम प्रधान के बेटे व भट्ठा संचालक कृष्णपाल ने बताया कि उनकी छोटी बहन की शादी तय हो चुकी है। डेट फाइनल होना बाकी है। जेवर के साथ कपड़ों की भी खरीदारी हो चुकी थी। पूरा सामान मां शारदा चंद्र के कमरे में रखा हुआ था। मंगलवार देर रात पूरा परिवार कमरे में सो रहा था। मंगलवार को उमस के चलते मां, बहन के कमरे में सोने चली गईं।

देर रात खिड़की का ग्रिल काटकर मां के कमरे में घुसे नकाबपोशों ने नकदी समेत अलमारी, बेड बॉक्स व बक्से में रखे 10 लाख रुपये समेत 70 लाख रुपये के जेवर व कपड़े आदि चुरा लिए। चोरों ने भीतर से मां का कमरा भी बंद कर दिया था।

बुधवार सुबह जब ग्राम प्रधान कमरे में जाने लगीं तो दरवाजा भीतर से बंद मिला। अनहोनी की आशंका के चलते उन्होंने जानकारी बेटे को दी। जब उन्होंने बाहर से जाकर देखा तो खिड़की का ग्रिल निकला हुआ था। कमरे का सामान बिखरा था। इधर, ग्राम प्रधान की तहरीर पर पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। मामले के पर्दाफाश के लिए क्राइम ब्रांच के साथ सर्विलांस की टीम को लगाया गया है। जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

जितेंद्र कुमार, एसपी साउथ

व्यापारी को फंसाया तो पत्नी पड़ी पीछे... सबूत दिए तो खुल गया गैंगस्टर का काला चिट्ठा

गोरखपुर,संवाददाता। जेल के भीतर से ठगी का इतना बड़ा खेल चलने पर जेल प्रशासन की भूमिका भी कटघरे में है। सूत्रों का मानना है कि बिना मिलीभगत के इतना बड़ा खेल संभव नहीं। जेल के भीतर से सादिया के भाई को कॉल कर बुलाना, फिर अलग–अलग नामों से मुलाकात करना बिना मिलीभगत से संभव नहीं है। क्सा हुसैन निवासी व्यापारी पर गैंगस्टर विकास सिन्हा ने पांच गंभीर धाराओं में केस दर्ज कराकर जेल भिजवा दिया था। इसके बाद पति को बचाने के लिए व्यापारी की पत्नी ने मोर्चा संभाला। तीन साल तक पैरवी कर पति को जेल से बाहर निकालवाया। इसके बाद वह गैंगस्टर के पीछे पड़ गईं। पुलिस को खुद साक्ष्य उपलब्ध कराने के साथ ही उसके गैंग का काला चिट्ठा खोल दिया। जेल में बेल व दोषमुक्त कराने के नाम ठगी का पर्दाफाश भी व्यापारी की पत्नी ने ही कराया है। महिला का दावा है कि वह जल्द ही गैंगस्टर के एक और कारनामे का पर्दाफाश करेंगी। चक्सा हुसैन निवासी सैबा अनवार ने बताया कि मोतिहारी जिले के टाउन हाल बलुआताल निवासी विकास सिन्हा जेल बाईपास, पादरी बाजार के पास पहले अस्पताल चलाता था।

उसने व्यापार और हॉस्पिटल में शेयर देने के नाम पर उनके पति इम्तियाज से 10 लाख रुपये लिए थे। रुपये मांगने पर विकास ने पति पर छेड़खानी, पॉक्सो और दुष्कर्म समेत पांच केस दर्ज करा दिए। इसके बाद समझौता कराने के लिए 50 लाख रुपये मांगने लगा। इन्कार पर उन्हें जेल भिजवा दिया। पति इम्तियाज को बचाने के लिए उन्होंने तीन साल तक केस की पैरवी की। उस दौरान उन्होंने पुलिस को खुद साक्ष्य उपलब्ध कराए। इसके बाद विकास सिन्हा गैंग का पर्दाफाश हुआ। अक्तूबर 2023 में विकास पर फर्जी केस और रंगदारी वसूलने के मामले में पहला केस दर्ज हुआ और वह जेल गया।

ठगी प्रकरण में भी उन्होंने जेल में बंद सादिया के भाई के सहयोग से जेल मुलाकात रजिस्टर, कॉल डिटेल्स और लेन–देन से जुड़े दस्तावेज जुटाए और सादिया के भाई को लेकर सीधे पुलिस अधिकारियों के समक्ष पेश हुईं। व्यापारी की पत्नी की ओर से दिए गए दस्तावेजों की जांच में मामला सही पाया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर गैंगस्टर और उसके साथियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

अधिकारियों का कहना है कि इस गिरोह ने और कितने लोगों से वसूली की है, इसकी जांच की जा रही है। महिला ने अब पड़ताल कर एक नई शिकायत एसएसपी से की है। जांच में मामला सही पाए जाने पर जल्द ही विकास व उसके गैंग पर एक और केस दर्ज हो सकता है।

सादिया अंसारी से जेल में मुलाकात के बाद रचा गया खेल

पति की हत्या के मामले में जेल में बंद सादिया की मुलाकात गैंगस्टर विकास कुमार सिन्हा, उसकी पत्नी रेखा सिंह व मां गीता सिंह से हुई थी। रेखा सिंह ने सादिया का आश्वासन दिया कि उसके पति पेशे से वकील हैं, जिनकी पहुंच बड़े–बड़े अधिकारियों से है। हम लोग जल्द ही जेल से जमानत पर छूट जाएंगे और तुम्हारी भी जमानत कराते हुए केस से बरी करा देंगे। झांसे में आई सादिया ने अपने भाई के जरिये करीब 40 लाख रुपये दे दिए थे।

जेल से कॉल कर भाई को मिलने के लिए बुलाया

?गैंगस्टर ने जेल में बंद रहने के दौरान सादिया अंसारी से उसके भाई को कॉल कराकर मिलने के लिए बुलाया। इसके बाद जेल से छुड़ाने के नाम पर उसे झांसे में ले लिया। इस बीच अक्तूबर में रेखा व उसकी मां जमानत पर छूट गए। इसके बाद दोनों सादिया के भाई के घर पहुंचे। जमानत कराने, केस से दोष मुक्त कराने और सादिया को जेल से जमीन बिकवाने की अनुमति दिलवाने, केस डायरी से सीडीआर हटवाने, हत्या के केस के वादी व गवाहों को दुष्कर्म में फंसाकर हत्या के केस में सुलह कराने के नाम पर 26 अक्तूबर 2024 से 03 जून तक करीब 40 लाख रुपये ऐंठ लिए।

सादिया का मोबाइल चालू करा बनाया यूपीआई, फिर निकाल लिए रुपये

विकास के कहने पर रेखा सिंह ने अपने साथियों की मदद से पहले सादिया अंसारी का बंद मोबाइल चालू करा यूपीआई बनवाया। फिर जमीन कारोबारियों से मिलकर पिपराइच रोड जंगल अहमद अली शाह में सादिया की बहन की जमीन 25 लाख में बेच दी। इसके बाद ये रुपये यूपीआई के जरिये निकाल लिए। यहीं नहीं आरोपियों ने उन्हीं की आईडी से मोबाइल व सिम कार्ड खरीदकर उनके पूरे परिवार को ब्लैकमेल किया। सादिया की छोटी बहन मरियम के जेवर को भी एक फाइनेंस कंपनी में गिरवी रखवा दिया और रुपये हड़प लिए। कैंसर पीड़ित पिता असगर के साथ भी ठगी की।

जेल प्रशासन पर उठे सवाल

जेल के भीतर से ठगी का इतना बड़ा खेल चलने पर जेल प्रशासन की भूमिका भी कटघरे में है। सूत्रों का मानना है कि बिना मिलीभगत के इतना बड़ा खेल संभव नहीं। जेल के भीतर से सादिया के भाई को कॉल कर बुलाना, फिर अलग–अलग नामों से मुलाकात करना बिना मिलीभगत से संभव नहीं है। जेल में जाकर आरोपी से पुलिस पूछताछ करेगी। अन्य आरोपी भागे हुए हैं, उनकी तलाश की जा रही है: रवि सिंह, सीओ गोरखनाथ मामला जेल के बाहर का है। स्थानीय पुलिस मामले की जांच करेगी।

पूर्व प्रधान ने किया प्रेमिका का कत्ल...लाश के किए 7 टुकड़े, बोरी में भरकर फेंके, इसलिए की अर्चना की हत्या

झांसी,संवाददाता। मिली महिला की सिर कटी लाश की शिनाख्त हो गई है। महिला मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ की रहने वाली थी। उसके प्रेमी पूर्व प्रधान ने शादी की जिद करने से नाराज होकर गला घोंटकर हत्या की थी। इसके बाद प्रेमिका के सात टुकड़े कर दिए थे। दो बोरियों में भरकर उसके टुकड़े कुएं में फेंक दिए थे। यूपी के झांसी के टोड़ी फतेहपुर के किशोरपुरा गांव में मिली युवती की सिर कटी लाश के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। बुधवार को एसएसपी बीबी जीटीएस मूर्ति ने बताया कि युवती की हत्या प्रेम प्रसंग के चलते उसके प्रेमी एवं महेबा (टोड़ी फतेहपुर) के पूर्व ग्राम प्रधान संजय पटेल ने अपने भतीजे संदीप पटेल और गरौठा निवासी अपने दोस्त प्रदीप उर्फ दीपक अहिरवार की मदद से की थी। युवती पूर्व ग्राम प्रधान पर शादी करने का दवाब बना रही थी। वह राजी नहीं था। इस वजह से प्रेमिका की गला घोंटकर हत्या करने के बाद शव के टुकड़े करके कुएं में फेंक दिए। शिनाख्त मिटाने के लिए सिर और पांव लखेरी नदी में फेंक दिए।

पुलिस ने प्रेमी और उसके भतीजे को किया गिरफ्तार

सात दिन की मशक्कत के बाद पुलिस हत्यारोपियों तक पहुंच सकी। पुलिस ने पूर्व ग्राम प्रधान संजय एवं उसके भतीजे संदीप को गिरफ्तार कर लिया जबकि प्रदीप फरार है। एसएसपी ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है।

दो बोरियों में मिला था युवती का टुकड़ों में शव

एसएसपी ने बताया कि 13 अगस्त को विनोद पटेल के खेत से दो बोरियों में युवती के टुकड़ों में बंटा शव बरामद हुआ था। सिर की तलाश के लिए कुएं को खाली कराया गया लेकिन शिनाख्त नहीं हुई। इसके लिए 10 टीमें लगाई गई थीं।

रचना का फोन भी आ रहा था स्विच ऑफ

छानबीन के दौरान पुलिस टीम के महेबा गांव पहुंचने पर गांव के लोगों ने उसके रचना होने की आशंका जाहिर की। उन लोगों ने टीकमगढ़ में रहने वाले रचना के भाई दीपक को इस बारे में बताया। दीपक ने अपनी बहन रचना को तलाशा, लेकिन उसका पता नहीं चला। फोन भी स्विच ऑफ था। दीपक मंगलवार शाम टोड़ी फतेहपुर पहुंचा। पुलिस ने दीपक से रचना का फोन नंबर लेकर उसे सर्विलांस पर लगाया।

रात में शव के टुकड़े कर कुएं में फेंके

इसमें पूर्व ग्राम प्रधान संजय से उसकी कई बार फोन पर बात मिली। तलाश करने पर पूर्व ग्राम प्रधान घर से लापता मिला। देर रात दबिश देकर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने शव के रचना का होने की बात कुबूल कर ली। उसने बताया कि 9 अगस्त को उसने अपने भतीजे संदीप एवं दोस्त के साथ मिलकर रचना की हत्या की थी। रात में शव के टुकड़े करके कुएं में फेंक दिए।

रचना के भाई से कुबूल की थी हत्या की बात

रचना के भाई प्रदीप का कहना है कि रचना के बारे में कुछ पता न चलने पर उसने संजय को फोन किया था। संजय पहले कहता रहा कि रचना बीमार है। वह बात करा देगा। जिद करने पर संजय ने गुस्से में आकर बताया कि उसने रचना को मार डाला। उसकी बातों पर उसके भाई को यकीन नहीं हुआ था।

पहले दो शादी कर चुकी थी रचना

टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश) के चंदेरा थाना क्षेत्र के मैलवारा गांव निवासी रचना यादव की पहली शादी टीकमगढ़ में हुई थी। पुलिस को छानबीन में मालूम चला कि पहले पति से रचना के दो बच्चे हैं। पांच साल बाद पति से झगड़ा होने पर वह मायके चली गई। वहां रहने के दौरान उसके संबंध महेबा गांव निवासी शिवराज यादव से हो गए। वह उसके साथ महेबा गांव आकर रहने लगी। कुछ समय बाद यहां भी उसका विवाद होने लगा। वर्ष 2023 में रचना ने शिवराज के बड़े भाई पर दुष्कर्म एवं हत्या की कोशिश के आरोप में एफआईआर दर्ज करा दी।

शिवराज का भी नाम शामिल करा दिया। इस मामले की पैरवी के लिए वह गरौठा कोर्ट जाती थी। यहां उसकी मुलाकात तत्कालीन ग्राम प्रधान संजय पटेल से हुई। जल्द दोनों के बीच नजदीकी संबंध बन गए। जून में शिवराज की मौत हो गई। संजय पर रचना शादी का दबाव बना रही थी जबकि संजय पहले से शादीशुदा है। परिवार में पत्नी समेत दो बेटे हैं।

डीआईजी ने दिया 50 हजार का इनाम

सात दिन में अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने वाली पुलिस टीम को डीआईजी केशव चौधरी ने 50 हजार रुपये नकद इनाम घोषित किया। वहीं, एसपी आरए डा. अरविंद कुमार ने भी 20 हजार रुपये नकद पुरस्कार पुलिस टीम को दिया। पुलिस टीम को एसएसपी ने अपने हाथों से 20 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया। पुलिस टीम में स्वॉट प्रभारी जितेंद्र तक्खर, रजत सिंह, शैलेंद्र, हर्षित, सर्विलांस टीम से दुर्गेश कुमार, रजनीश एवं टोड़ी फतेहपुर थानाध्यक्ष अतुल राजपूत शामिल रहे।

आरोपी रवि गिरफ्तार टोल कंपनी का ठेका रद

पीड़ित जवान के परिजनों को अब सता रही ये चिंता

मेरठ,संवाददाता। करनाल हाईवे के भूनी टोल प्लाजा पर जवान कपिल के साथ बर्बर मारपीट का मामला तूल पकड़ रहा है। मुख्य आरोपी रवि को पुलिस ने दबोच लिया, अब तक आठ गिरफ्तारी हो चुकी हैं। छभ।ए ने ठेका रद्द कर टोल प्लाजा को फ्री कर दिया, कंपनी पर 20 लाख जुर्माना भी लगाया गया है। वहीं परिवार अब भी चिंतित है।

मेरठ–करनाल हाईवे पर भूनी टोल प्लाजा पर सेना के जवान कपिल से मारपीट का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद से ही पुलिस और प्रशासन पर सख्ती की मांग हो रही थी। अब मुख्य आरोपी रवि को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। अब तक कुल आठ गिरफ्तारी हो चुकी है। वहीं, एनएचएआई ने ठेका कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर टोल वसूली बंद कर दी है। आगे विस्तार से पढ़ें अब तक इस मामले में क्या कार्रवाई हुई है।

मुख्य आरोपी रवि गिरफ्तार

सरूरपुर पुलिस ने बुधवार को करनावल निवासी रवि को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वायरल वीडियो में वही पीली कमीज में जवान कपिल पर डंडा बरसाते नजर आया था। पुलिस अब तक आठ आरोपियों को पकड़ चुकी है।

टोल कंपनी का ठेका निरस्त

एनएचएआई ने टोल वसूली करने वाली कंपनी मैसर्स धर्म सिंह का ठेका रद्द कर दिया है। कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर 20 लाख का जुर्माना भी लगाया गया। फिलहाल टोल प्लाजा नया ठेका मिलने तक फ्री कर दिया गया है।

पोल से बांधकर की थी पिटाई

जवान कपिल ने रविवार शाम टोलकर्मियों से पहचान पत्र दिखाकर जल्दी निकलने का आग्रह किया था। इसी बात पर टोलकर्मी भड़क गए और उसे पोल से बांधकर बेरहमी से पीटा। लाठी–डंडों और ईंटों से हमला किया गया।

वीडियो वायरल, धरना–प्रदर्शन

सोशल मीडिया पर मारपीट की वीडियो क्लिप वायरल होने के बाद गांववालों और विधायक संगीत सोम ने प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने टोलकर्मियों की गिरफ्तारी और टोल बंद करने की मांग की।

कपिल का उपचार जारी

जवान कपिल का इलाज मेरठ कैंट स्थित मिलिट्री अस्पताल में चल रहा है। पिता कृष्णपाल और मां सुनीता ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

भूनी टोल प्लाजा की स्थिति

7 नवंबर 2023 से शुरू हुए भूनी टोल से पहले रोजाना करीब 20,000 वाहन गुजरते थे। अब संख्या घटकर लगभग 12,000 रह गई है। टोल फ्री होने से यात्रियों को राहत मिली है।

प्रदर्शन और मांगें जारी

किसानों ने भूनी टोल को बपारसी गांव शिफ्ट करने की मांग की। मवाना में पूर्व सैनिक संगठन ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर टोलकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की गुहार लगाई।

जुनैद कर रहा था दलरदगी, आसिफ बनाता रहा वीडियो रईशजादों ने फिर जो किया...आपबीती सुनाते रो पड़ी वो

आगरा,संवाददाता। पॉश मार्केट संजय प्लेस के बेसमेंट में किशोरी से दरिंदगी की गई। 11 हजार रुपये का लालच देकर बारी–बारी से दो युवकों ने आबरू लूटी। इसके बाद वीडियो बना लिया, जो वायरल कर दिया। आगरा के संजय प्लेस में जिस किशोरी से दुष्कर्म की घटना हुई, उसे पुलिस ने खोज निकाला। वह बयान देने के लिए तैयार है। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराया है। पुलिस की पूछताछ में उसने यही बताया कि पिता की मौत हो चुकी है। वह संजय प्लेस काम से आई थी। तभी दोनों युवक मिले। उसे रुपयों का लालच देकर साथ ले गए। गलत काम किया।

डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि दो दिन पहले एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें किशोरी के साथ दुष्कर्म की बात सामने आई थी। उसमें दो युवक नजर आ रहे थे। इस पर पुलिस की ओर से दो युवकों जुनैद और आसिफ के खिलाफ केस दर्ज किया गया। पीड़ित किशोरी हरीपर्वत क्षेत्र की रहने वाली निकली। उसने अपनी उम्र 17 साल बताई है। खुद को एससी वर्ग से बताया। विवेचक सभी प्रमाणपत्र लेने के बाद केस में एससी–एसटी एक्ट की वृद्धि करेंगे।

पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह शनिवार को संजय प्लेस आई थी। तभी दोनों युवक मिले। उसे रुपयों का लालच देकर अपने साथ ले गए। जन्माष्टमी होने की वजह से मार्केट बंद था। वह बेसमेंट में ले गए। उसके साथ दुष्कर्म किया। वह घर चली गई। डरी हुई थी। इस वजह से सामने नहीं आई। उधर, पुलिस की पड़ताल में सामने आया कि वीडियो आसिफ ने बनाया था। वह जुनैद से रुपये लेना चाहता था। 11 हजार ले लिए थे। इसके बावजूद रकम मांग रहा था। न देने पर वीडियो वायरल किया। दोनों आरोपियों की पुलिस तलाश में जुटी है।

पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी फुटेज, तब किशोरी का चला पता

पुलिस घटना के बाद से ही पीड़ित किशोरी की तलाश में लगी थी। वह पुलिस के पास नहीं आई थी। इस पर सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया। स्मार्ट सिटी के कैमरों की मदद ली गई। तब पीड़िता का पता चला। अब वो आरोपियों को सजा दिलाना चाहती है।

पहले सिस्टम सुधारें...फिर बिजली दरों पर करें बात

उपभोक्ता परिषद बोला–पीक ऑवर्स में कांपते हैं सिस्टम

लखनऊ,संवाददाता। नियामक आयोग में पॉवर ट्रांसमिशन व यूपीएसएलडीसी ने अपना पक्ष रखा। इसमें उपभोक्ता परिषद ने कहा कि पहले सिस्टम सुधारें फिर बिजली दरों पर बात करें। पीक ऑवर्स में सिस्टम हैंग हो जाते हैं। बिजली दरों के निर्धारण की चल रही सुनवाई के तहत बुधवार को उप्र. पॉवर ट्रांसमिशन व यूपीएसएलडीसी ने पक्ष रखे। इस दौरान उपभोक्ता परिषद ने मांग की है कि पहले ट्रांसमिशन के सिस्टम (उपकरणों) का भार सही किया जाए फिर बिजली दर व ट्रांसमिशन चार्ज बढ़ाने की बात की जाए।

विद्युत नियामक आयोग में अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्य संजय कुमार सिंह की उपस्थिति में पॉवर ट्रांसमिशन के अधिकारियों ने प्रजेंटेशन दिया। इसके बाद उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि पॉवर ट्रांसमिशन ने इस बार अब तक का सबसे बड़ा वार्षिक राजस्व आवश्यकता 6279 करोड़ दाखिल किया है। यह जनता पर भार डालने की साजिश है। इस पर आयोग को गंभीरता से विचार करना चाहिए। वर्मा ने कहा कि पहले उपकरणों की क्षमता बढ़ाई जानी चाहिए क्योंकि गर्मी में पीक ऑवर्स में डायवर्सिटी फैक्टर 1:1 होते ही इनका सिस्टम कांपने लगता है। ऊपर से बिजली चोरी का लोड भी इसी सिस्टम पर आता है। ऐसे में प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को सुचारु रूप से 24 घंटा बिजली नहीं मिल पाती है।

वर्मा ने कहा कि यूपीएसएलडीसी स्वतंत्र होकर काम करे। आज भी केंद्र सरकार के बनाए कानून के तहत 24 घंटे विद्युत आपूर्ति के मामले पर यूपीएसएलडीसी चुप रहता है। उन्होंने पॉवर ट्रांसमिशन के टैरिफ पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि सबसे पहले पॉवर ट्रांसमिशन सिर्फ रिटर्न ऑफ इक्विटी लाभांश 2 लेता था।

इस बार 14.5 लेने की बात कही गई है। इससे उपभोक्ताओं पर सीधे तौर पर 1824 करोड़ का भार आएगा। अगर आयोग इसे मंजूर करता है तो टैरिफ बेस कॉम्पिटेटिव बिडिंग की प्रक्रिया जो निजीकरण को बढ़ावा दे रही है पर पूर्णतया प्रतिबंध लगना चाहिए।

फर्जी मार्कशीट लगाकर नौकरी कर रहे प्रदेश के 22 शिक्षक हुए बर्खास्त, एफआईआर के दिए गए आदेश

लखनऊ,संवाददाता। प्रदेश में बेसिक के बाद अब माध्यमिक इंटर कॉलेजों में भी फर्जी अंकपत्र पर नियुक्ति पाने वाले शिक्षकों का भंडाफोड़ हुआ है। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने आजमगढ़ मंडल में कूटरचित, फर्जी अंकपत्र, प्रमाणपत्र पर नियुक्ति पाने वाले 22 शिक्षकों को बर्खास्त किया है। साथ ही इनसे वेतन की रिकवरी करते हुए एफआईआर के भी निर्देश दिए हैं।माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से 2014 में एलटी ग्रेड (सहायक अध्यापक) पद पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया था। आवश्यक औपचारिकता पूरी कर 2016 में इनकी तैनाती की गई। चूंकि यह भर्ती मेरिट पर आधारित थी, ऐसे में अभ्यर्थियों ने फर्जी अंकपत्र व प्रमाण पत्र लगाकर अपने नंबर बढ़ाए और नौकरी पा ली। अभिलेख सत्यापन में इस पर संदेह हुआ। विभाग ने एक नहीं कई बार संदिग्ध अभिलेखों की जांच कराई।

यूपी में खाद की किल्लत, नेपाल में 10 गुनी कीमत पर बेच रहे यूरिया

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में यूरिया की कमी से हाहाकार मचा हुआ है। किसान यूरिया के लिए लाइन में लगे हैं लेकिन उन्हें नहीं मिल पा रही है। वहीं, तस्कर किसानों, निजी खाद विक्रेताओं व समितियों के सचिवों से सांठगांठ कर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। यूपी में यूरिया के लिए हाहाकार मचा है। नेपाल से सटे प्रदेश के सात जिलों में खाद की किल्लत सबसे ज्यादा है लेकिन तस्करी से नेपाल के खेतों में बहार है। तस्कर यहां खाद की 10 गुना ज्यादा कीमत वसूलकर मोटी कमाई कर रहे हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को खुद खाद तस्करी के मामले में संवेदनशील सिद्धार्थनगर पहुंचकर कार्रवाई की चेतावनी दी। इसके बाद भी तस्कर भारतीय खाद को नेपाल तक पहुंचा रहे हैं। इस खेल में 266.50 रुपये में मिलने वाली एक बोरी यूरिया नेपाल पहुंचते ही 1500 से 2000 रुपये की बिक रही है। इसी मोटी कमाई के कारण ही

यूरिया के लिए लाइन में लगे किसानों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया

नेपाल सीमा से सटे पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज के साथ ही कुशीनगर, देवरिया, गोंडा, बाराबंकी, सहारनपुर, बरेली, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, बांदा, ललितपुर, मथुरा और चंदौली में खाद का संकट गहरा गया है। महराजगंज में खुनुवा से लेकर रेंगहिया तक खाद की तस्करी किसी से छिपी नहीं है।

खाद विक्रेताओं और समितियों से सांठगांठ कर हो रहा खेल

नेपाल में यूरिया की प्रति बोरी कीमत 800 रुपये है लेकिन मधेश क्षेत्र में मांग की अपेक्षा आपूर्ति कम होने से कीमत 1500 से लेकर 2000 रुपये बोरी हो गई है। इसी का फायदा उठाने के लिए तस्करों ने कुछ किसानों, निजी खाद विक्रेताओं व समितियों के सचिवों से सांठगांठ कर खेल शुरू कर दिया।

देवी पाटन मंडल के आयुक्त शशि भूषण लाल शुक्ल का कहना है कि नेपाल से सटे सीमावर्ती जिलों के डीएम व एसपी को एसएसबी के साथ समन्वय बनाकर खाद के अवैध परिवहन की सूचना पर तत्काल कार्रवाई के लिए कहा गया है। अगर कहीं भी खाद तस्करी का मामला पाया जाता है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्रावस्ती व बलरामपुर से आसानी से जा रही...

श्रावस्ती में तस्कर दुकानों से 400 से 500 रुपये में यूरिया खरीदकर साइकिल और दूसरे चोर रास्तों से नेपाल पहुंचा रहे हैं। यहां प्रति बोरी 1200 से 1500 रुपये मुनाफे की बात सामने आई है। बलरामपुर से यूरिया नेपाल के कोयलाबास, सिसवारा, ककरहवा, खबरी नाका, गुरुंग नाका, सुकली नाका के किसानों तक पहुंच चुकी है।

छठे दिन हो सकी सिर कटी लाश की शिनाख्त

झांसी,संवाददाता। टीकमगढ़ के मैलवारा गांव से आए कुछ लोगों ने युवती की शिनाख्त की। पूछताछ के दौरान पुलिस को कई अहम सुराग भी हाथ आए हैं। टोड़ी फतेहपुर के किशोरपुर गांव में 13 अगस्त को कुएं से मिली सिर कटी युवती की लाश की आखिरकार मंगलवार को शिनाख्त हो गई। उसकी शिनाख्त टीकगमढ़ के मैलवारा गांव निवासी रचना के तौर पर हुई। उसके मायके वाले भी यहां पहुंच गए। पिछले पांच दिनों से युवती की शिनाख्त में परेशान पुलिस चप्पा चप्पा खंगाल रही थी। उसकी शिनाख्त के लिए स्वॉट समेत दस टीमें लगाई गईं थीं। पुलिस टीम ने जालौन, ललितपुर, हमीरपुर से लेकर कानपुर तक गुमशुदा युवती के ब्योरे खंगाले लेकिन कामयाबी हाथ नहीं आई। मध्य प्रदेश के आसपास भी उसकी शिनाख्त कराने की पुलिस ने कोशिश की। यहां से भी पुलिस को बैरंग हाथ लौटना पड़ा। पुलिस को युवती का सिर भी नहीं मिल रहा था। इस वजह से भी पुलिस को कामयाबी नहीं मिल रही थी। मंगलवार दोपहर टीकमगढ़ के मैलवारा गांव से आए कुछ लोगों ने युवती की शिनाख्त की। पूछताछ के दौरान पुलिस को कई अहम सुराग भी हाथ आए हैं। पुलिस का अफसरों का कहना है है कि उसके सहारे हत्यारोपी की तलाश की जा रही है।

प्रसव के दौरान महिला व बच्चे की मौत, लापरवाही के आरोप में मायकेवालों व ससुरालीजनों में मारपीट

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ के निगोहां में प्रसव के दौरान महिला व बच्चे की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद इलाज में लापरवाही के आरोप में ससुरालीजनों व मायके पक्ष के लोगों के बीच मारपीट हो गई। राजधानी लखनऊ के निगोहां में प्रसव के दौरान जच्चा और बच्चा की मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोगों ने ससुरालीजनों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। उधर प्रसूता के ससुरालीजनों ने अस्पताल पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। वहीं, मृतका के मायके और ससुराल वालों में मारपीट शुरू हो गई।

मारपीट की सूचना पर पहुंची निगोहां पुलिस ने किसी तरह दोनों पक्षों को अलग किया। जिसके बाद महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मायके पक्ष के लोगों ने ससुरालीजनों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामले की तहरीर पुलिस को दी। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। दयालपुर के मजरा परमेश्वरखेड़ा निवासी मजदूर शैलेन्द्र कुमार की पत्नी प्रेमलता (26) की डिलीवरी होनी थी और शैलेंद्र ने निगोहां कस्बा स्थित पारस हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया था। जहां मंगलवार की देर रात महिला की हालत बिगड़ने लगी तो डक्टरों ने महिला को रेफर कर दिया। जिसके बाद पति सहित अन्य परिजन एम्बुलेंस से महिला को लखनऊ के एक निजी अस्पताल ले जाने लगे। मायके पक्ष का आरोप है कि यह लोग एम्बुलेंस को रास्ते मे ही काफी देर तक रुकवाकर अस्पताल का चयन करते रहे। इस दौरान महिला की और तबीयत बिगड़ती गई जिसके बाद वह लोग ओपी चौधरी हॉस्पिटल ले जाने लगे। जहां अस्पताल पहुंचते ही दर्द से कराह रही महिला ने दम तोड़ दिया।

मौत के बाद ससुराल पक्ष के लोग मायके पक्ष को सूचना कर महिला के शव को पारस हॉस्पिटल लेकर लौट आये और हॉस्पिटल पर लापरवाही का आरोप लगाने लगे। वहीं, मौके पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने ससुरालीजनों पर समय पर सही इलाज न कराने का आरोप लगते हुए हंगामा कर मारपीट शुरू कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनो पक्षों को समझा बुझाकर अलग किया और कार्रवाई का आश्वासन देते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका के पिता सुखराम निवासी लोधईखेड़ा बछरावां ने पति शैलेंद्र सहित ससुरालीजनों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामले की तहरीर दी। मृतका के एक डेढ़ वर्ष की बेटी पीहू है।

दीक्षांत समारोह...77 मेधावियों को दिए 117 पदक, शिखर को मिले 11 मेडल

आगरा,संवाददाता। डॉ. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय के 91वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. केजी सुरेश है। इस आयोजन की अध्यक्षता राज्यपाल आनंदीबेन पटेल कर रही हैं। समारोह में 77 मेधावियों को 117 पदक मिलेंगे। दीक्षांत समारोह में एसएन मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस के छात्र डॉक्टर शिखर सिंह ने बताया कि उन्हें 10 स्वर्ण पदक और एक रजत पदक मिला है। इस उपलब्धि के बाद वह बहुत खुश है। उनका परिवार भी बड़ा गर्व महसूस कर रहा है। उन्होंने अपनी उपलब्धि के लिए कॉलेज के प्रधानाचार्य, शिक्षक, माता–पिता और सभी मार्गदर्शकों का धन्यवाद किया।

एसएन मेडिकल कॉलेज के छात्र शिखर को मिले 11 पदक

दीक्षांत समारोह में एसएन मेडिकल कॉलेज के छात्र शिखर सिंह ने सर्वाधिक 11 मेडल प्राप्त किए हैं। एमबीबीएस के छात्र शिखर ने 10 स्वर्ण और एक रजत समेत 11 पदक प्राप्त किए हैं।

मेधावियों को दिए गए पदक

खंदारी स्थित स्वामी विवेकानंद कैंपस में स्थित छत्रपति शिवाजी मंडपम में दीक्षांत समारोह शुरू हो गया है। मंच पर राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि इंडिया हैबिटेट सेंटर के निदेशक प्रो. केजी सुरेश और कुलपति आशू रानी की ओर से मेवाधियों को डिग्री और पदक दिए जा रहे हैं।

संदिग्धों पर नजर रख रहे सुरक्षाकर्मी

खंदारी स्थित स्वामी विवेकानंद कैंपस में स्थित छत्रपति शिवाजी मंडपम में दीक्षांत समारोह का शुभारंभ हो गया है। इस दौरान किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन की आशंका के बीच सुरक्षाकर्मी हर उस व्यक्ति से पूछताछ कर रहे हैं, जिनकी मौजूदगी संदिग्ध लगे।

राज्यपाल ने समारोह शुरू करने की दी अनुमति

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के 91वें दीक्षांत समारोह में राज्याल आनंदीबेन पटेल और मुख्य अतिथि इंडिया हैबिटेट सेंटर के निदेशक प्रो. केजी सुरेश मंच पर पहुंच चुके हैं।

प्रधानी चुनाव की रंजिश में कराया विवाद, एसपी सिटी बोले- बख्शो नहीं जाएंगे माहौल बिगाड़ने वाले

बरेली,संवाददाता। इज्जतनगर थाना क्षेत्र के गांव खजुरिया जुल्फिकार में मंगलवार हुए विवाद की वजह प्रधानी चुनाव की रंजिश बताई जा रही है। माना जा रहा है कि उर्स निपटने के बाद पुलिस खुराफातियों पर कार्रवाई कर सकती है। बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र के गांव खजुरिया जुल्फिकार में चादर जुलूस को लेकर बखेड़ा हो गया। उर्स–ए–रजवी में चादर लेकर जा रहे लोगों को मंगलवार दोपहर बाद ग्रामीणों ने नई परंपरा बताकर रोक दिया।

पुलिस ने लाठियां फटकारकर भीड़ को खदेड़ा व जुलूस निकलवा दिया। तब ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए चौकी प्रभारी समेत पुलिसकर्मियों को दौड़ा लिया। पुलिस अफसरों ने बताया कि लिखित सहमति के बावजूद प्रधानी चुनाव की रंजिश में माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। माहौल बिगाड़ने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

खजुरिया जुल्फिकार गांव से होकर चादर जुलूस जा रहा था। गांव के एक समुदाय के लोगों ने इसे नई परंपरा बताकर हंगामा शुरू कर दिया। इस पर जुलूस के पीछे चल रही पुलिस टीम सामने आ गई और ग्रामीणों से तीखी बहस हुई। इसके बाद पुलिस ने लाठियां फटकारकर भीड़ को खदेड़ा और जुलूस आगे बढ़वा दिया। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने बैरियर टू चौकी प्रभारी शिवकुमार मिश्रा समेत मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को घेर लिया।

भीड़ नारेबाजी कर रही थी कि इन पुलिसवालों ने दूसरे पक्ष से मोटी रकम लेकर गांव से नई परंपरा डलवाने की कोशिश की है। यह भी कहा कि भाजपा सरकार होने के बावजूद लोग पुलिस के डंडों का शिकार हो रहे हैं। पुलिस पर लाठीचार्ज करने और बच्चों तक को पीटने का आरोप लगाया। कहा कि अन्याय के खिलाफ वह चुप नहीं बैठेंगे। आरोप लगाया कि लोगों को समझाने की कोशिश कर रहे पूर्व प्रधान को भी पुलिस ने दूसरे पक्ष के उकसावे पर लाठी मारी है।

सीओ ने शांत कराया, गांव में पुलिस तैनात

पुलिसकर्मियों के घेराव व गाली–गलौज का वीडियो बनाकर किसी ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसके बाद शहर में अफवाहों का बाजार गर्म हो गया। सूचना पर सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे और हंगामा कर रहे लोगों से बात की। आक्रोशित लोग फिलहाल शांत हो गए। एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है। बताया जा रहा है कि उर्स निपटने के बाद पुलिस कार्रवाई कर सकती है। खुराफाती मौके के वीडियो के जरिये चिह्नित कर लिए जाएंगे।

हर साल होता है विवाद

खजुरिया गांव में ज्यादातर हिंदू आबादी है, लेकिन दूसरे गांव से जब चादरों का जुलूस शहर की ओर जाता है तो यहां हर साल विवाद होता है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्ष 2023 से पहले कभी चादर का जुलूस उनके गांव से नहीं निकला था। वर्ष 2023 में कुछ बच्चों ने चादर का जुलूस निकाला तो उन लोगों ने इसका विरोध किया था। इसके बाद दोनों पक्षों में समझौता हो गया था कि आगे से जब भी जुलूस निकलेगा तो गांव की सीमा के बाहर जाकर ही चादर खोली जाएगी। इस बार दूसरे समुदाय के लोगों ने इज्जतनगर थाने में चादर जुलूस के लिए अनुमति मांगी तो पुलिस ने सहमति दे दी।

गूगल मैप ने फिर दिया धोखा

सहारनपुर में पानी से भरे गड्ढे में समा गई छात्र नेता की कार

मेरठ,संवाददाता। सहारनपुर में गूगल मैप की गलती से चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी के छात्र नेता और उनके तीन साथी पानी से भरे गड्ढे में फंस गए। कार डूब गई, लेकिन हिम्मत दिखाकर सभी ने कार की छत पर चढ़कर अपनी जान बचाई।

गूगल मैप पर भरोसा करना चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी के छात्र नेता सूर्या और उनके तीन साथियों के लिए खतरनाक साबित हुआ। मेरठ से अंबाला के शाहबाद स्थित महर्षि मार्कंडेय मंदिर दर्शन के लिए निकले चारों युवक सहारनपुर से आगे बढ़ते ही गलत रास्ते पर चले गए।

कार चला रहे आदित्य ने बताया कि सहारनपुर से निकलते ही उन्होंने गूगल मैप पर लोकेशन डाली और अंबाला रोड पर सिरोही पैलेस से आगे मैप के बताए रास्ते पर जैसे ही कार मोड़ी, वाहन अचानक पानी से भरे गहरे गड्ढे में समा गया। देखते ही देखते कार पूरी तरह पानी में डूब गई।

संकट की इस घड़ी में कार सवार सूर्या, आदित्य, अनुज और आशुतोष ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने दरवाजा खोलकर किसी तरह बाहर निकलकर कार की छत पर शरण ली और लोगों को मदद के लिए आवाज देने लगे।

उनकी आवाज सुनकर राहगीर और पुलिस मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। बाद में ट्रैक्टर की मदद से डूबी हुई कार को भी बाहर खींच लिया गया।

गौरतलब है कि इससे पहले भी जिले में गूगल मैप के कारण वाहन सवार भटककर दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं। कई लोग गलत दिशा में चले जाते हैं और हादसों से दो–चार हो चुके हैं।

लोकसभा में सरकार ने पेश किए तीन विधेयक, विपक्ष का जोरदार हंगामा

ये विधेयक प्रधानमंत्री या किसी मुख्यमंत्री को उनके पद से हटाने से जुड़े हैं

केंद्र सरकार की ओर से बुधवार को लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए गए, जिन पर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। लोकसभा अध्यक्ष को इस हंगामे के चलते दो बार सदन को स्थगित करना पड़ा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि ये विधेयक जल्दबाजी में नहीं लाए गए हैं। इन्हें संयुक्त संसदीय समिति को भी भेजा जाएगा। विपक्ष ने इन विधेयकों को अलोकतांत्रिक बताया।

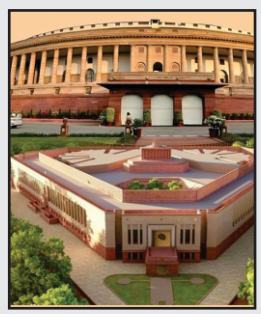

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में भारी हंगामा देखने को मिला, जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तीन विवादास्पद विधेयक सदन में पेश किए। ये विधेयक प्रधानमंत्री या किसी मुख्यमंत्री को उनके पद से हटाने से जुड़े हैं, अगर वे किसी गंभीर अपराध में गिरफ्तार होकर 30 दिनों तक जेल में रहते हैं। शाह ने जैसे ही ये विधेयक पेश किए, विपक्षी सांसदों ने विरोध करना शुरू कर दिया। उन्होंने विधेयकों की प्रतियां फाड़कर शाह की तरफ फेंकी। इसके साथ ही वे नारेबाजी करते हुए सदन के बीच में पहुंच गए। गृहमंत्री शाह ने स्पष्ट किया कि ये विधेयक जल्दबाजी में नहीं लाए गए हैं और इन्हें संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) को भेजा जाएगा, जिसमें सभी दलों के सांसद सुझाव दे सकेंगे। शाह ने कहा, हम इतने बेशर्म नहीं हो सकते कि गंभीर आरोपों के बावजूद सांविधानिक पदों पर बने रहें। कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल और एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी जैसे विपक्षी सांसदों ने इस विधेयक का विरोध किया और इसे संविधान और संघीय ढांचे के खिलाफ बताया।

हंगामे के बीच लोकसभा को दोपहर तीन बजे तक स्थगित किया गया। जब सदन दोबारा शुरू हुआ तो शाह ने कहा कि इन विधेयकों को 31 सदस्यों वाली जेपीसी को भेजा जाएगा, जो अगले संसद सत्र से पहले अपनी रिपोर्ट देगी। लेकिन विपक्षी के विरोध के चलते सदन को फिर शाम पांच बजे तक स्थगित करना पड़ा। ये तीन विधेयक केंद्र शासित प्रदेश (संशोधन) विधेयक 2025; संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025 और जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 हैं। इनका मकसद यह है कि अगर प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री को किसी गंभीर अपराध में गिरफ्तार कर लगातार तीस दिनों तक जेल में रखा जाता है, तो 31वें दिन वे अपने पद से हटा दिए जाएंगे। दिलचस्प बात यह है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तमिलनाडु के मंत्री वी. सेंथिल बालाजी ने गिरफ्तारी के बावजूद अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया था।

एक विधेयक में प्रावधान है कि अगर कोई मंत्री लगातार तीस दिनों तक किसी ऐसे अपराध के आरोप में हिरासत में रहता है, जिसकी सजा पांच साल या उससे अधिक हो सकती है, तो राष्ट्रपति उन्हें प्रधानमंत्री की सलाह पर 31वें दिन हटा देंगे। अगर प्रधानमंत्री सलाह नहीं देते, तो 31वें दिन के बाद वह व्यक्ति खुद–ब–खुद मंत्री पद से हटा हुआ माना जाएगा। विपक्ष ने इन विधेयकों को तानाशाही वाले और अलोकतांत्रिक बताया और भाजपा पर देश को पुलिस राज्य में बदलने की कोशिश करने का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि ये विधेयक पूरी तरह से तानाशाही वाले हैं और संविधान के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, अगर कल को किसी मुख्यमंत्री पर झूठा मुकदमा दर्ज कर उसे तीस दिन तक जले में रखा जाए, तो वह अपने आप पद से हट जाएगा। यह पूरी तरह से अलोकतांत्रिक है।

असदुद्दीन ओवैसी और अभिषेक बनर्जी ने किया विरोध

वहीं, हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी कहा कि भाजपा सरकार देश को पुलिस राज्य बनाना चाहती है। उन्होंने पूछा, प्रधानमंत्री को कौन गिरफ्तार करेगा? हम इन विधेयकों का पूरा विरोध करेंगे। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि सरकार बिना किसी जवाबदेही के सत्ता, पैसा और नियंत्रण चाहती है। उन्होंने भी इन्हें तानाशाही वाले विधेयक बताया।

संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025

केंद्र ने इस विधेयक को लेकर बताया कि संविधान में किसी ऐसे मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है जिसे गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार किया गया हो और हिरासत में लिया गया हो। इसलिए ऐसे मामलों में प्रधानमंत्री या केंद्रीय मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री और राज्यों या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के मुख्यमंत्री या मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री को हटाने के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 75, 164 और 239।। में संशोधन की जरूरत है। सरकार बुधवार को लोकसभा में इस आशय का संविधान संशोधन विधेयक पेश किया। इसमें प्रावधान है कि संगीन अपराधों में लगातार 30 दिन तक हिरासत या गिरफ्तारी में रहने पर हर हाल में पद छोड़ना होगा। पद नहीं छोड़ने पर राष्ट्रपति की सलाह से ऐसे मंत्रियों को हटा दिया जाएगा।

केंद्र शासित प्रदेश (संशोधन) विधेयक, 2025

केंद्र सरकार के मुताबिक, अभी केंद्र शासित प्रदेशों में केंद्र शासित प्रदेशों का शासन अधिनियम, 1963 (1963 का 20) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए, ऐसे मामलों में मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करने के लिए केंद्र शासित प्रदेशों का शासन अधिनियम, 1963 की धारा 45 में संशोधन की आवश्यकता है।

जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025

संविधान (130वां संशोधन) विधेयक के नियमों को जम्मू–कश्मीर में मुख्यमंत्री और मंत्रियों पर लागू करने के लिए ही केंद्र सरकार जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 लेकर आई है। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (2019 का 34) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 54 में संशोधन के बाद गंभीर आपराधिक केस में गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को 30 दिन में हटाने का प्रावधान होगा।

अनुच्छेद 75 (केंद्र सरकार – प्रधानमंत्री और मंत्रीमंडल)

इस विधेयक के तहत यदि कोई मंत्री लगातार 30 दिन तक गंभीर अपराध (5 वर्ष या उससे अधिक की सजा वाले अपराध) के आरोप में जेल में है, तो राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर उसे पद से हटा देंगे। यदि प्रधानमंत्री सलाह नहीं देते तो 31वें दिन के बाद वह मंत्री अपने आप पद से हटा हुआ माना जाएगा। यदि प्रधानमंत्री स्वयं 30 दिन तक ऐसे आरोप में जेल में हैं, तो उन्हें 31वें दिन तक इस्तीफा देना होगा। यदि इस्तीफा नहीं दिया, तो उनका पद स्वतः समाप्त हो जाएगा।

अनुच्छेद 164 (राज्य सरकार दृ मुख्यमंत्री और मंत्रीमंडल)

इस विधेयक के तहत यदि कोई राज्य मंत्री 30 दिन तक जेल में है, तो राज्यपाल, मुख्यमंत्री की सलाह पर उसे पद से हटा देंगे। यदि सलाह नहीं दी जाती, तो 31वें दिन से मंत्री का पद अपने आप समाप्त हो जाएगा। यदि मुख्यमंत्री स्वयं 30 दिन तक जेल में रहते हैं, तो उन्हें 31वें दिन तक इस्तीफा देना होगा, अन्यथा उनका पद स्वतः समाप्त हो जाएगा।

अनुच्छेद 239 एए (दिल्ली सरकार दृ मुख्यमंत्री और मंत्रीमंडल)

यही नियम दिल्ली की विधानसभा और मंत्रिपरिषद पर भी लागू होगा। यदि दिल्ली का मंत्री 30 दिन तक जेल में है, तो राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री की सलाह पर उसे पद से हटा देंगे। यदि मुख्यमंत्री 30 दिन तक जेल में रहता है, तो 31वें दिन तक उसे इस्तीफा देना होगा, वरना उसका पद स्वतः समाप्त हो जाएगा।

'न्याय मिलने तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी'

मानहानि के मामले पर बोले आरजी कर कांड की पीड़िता के पिता

मृत चिकित्सक के पिता के खिलाफ तृणमूल प्रवक्ता ने दायर किया मानहानि का मुकदमा बंगाल सरकार और सीबीआइ के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी

तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष द्वारा मानहानि का मुकदमा दायर करने के कुछ ही घंटों बाद आरजी कर अस्पताल में दुष्कर्म व हत्या की शिकार हुई प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के पिता ने कहा कि हम उन्हें महत्व नहीं देना चाहते। न्याय मिलने तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी। नोटिस मिलने के बाद हमारे वकील मानहानि के मुकदमे का जवाब देंगे।

एजेंसी, कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष द्वारा बुधवार को मानहानि का मुकदमा दायर करने के कुछ ही घंटों बाद आरजी कर अस्पताल में दुष्कर्म व हत्या की शिकार हुई प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के पिता ने कहा कि हम उन्हें महत्व नहीं देना चाहते। न्याय मिलने तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी। नोटिस मिलने के बाद हमारे वकील मानहानि के मुकदमे का जवाब देंगे। कोलकाता के बैंकशाल कोर्ट में दर्ज मानहानि का मुकदमा पीड़िता के पिता द्वारा सार्वजनिक रूप से यह आरोप लगाने के बाद दर्ज किया गया है कि श्री घोष ने पैसे देकर मामले का समाधान करने के लिए बंगाल सरकार और सीबीआइ के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। घोष का आरोप है कि पीड़िता के पिता की ओर से उन्हें लगातार उद्देश्यपूर्ण तरीके से बदनाम करने की कोशिशों की जा रही है। बीते कुणाल घोष के अधिवक्ता ने पीड़िता के पिता को एक कानूनी नोटिस भेजा था। उसमें चार दिनों के भीतर मीडिया को बुलाकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को कहा गया था। अन्यथा, कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। समयसीमा पूरी हो जाने के बाद यह मुकदमा दायर किया गया।

क्या है हेट स्पीच केस, अब्बास अंसारी को कब हुई सजा और क्यों गई थी विधायकी

वाराणसी,संवाददाता। मुख्तार अंसारी के बेटे व मऊ से विधायक रहे अब्बास अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अब्बास अंसारी को मऊ कोर्ट से सुनाई गई दो साल की सजा पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। हेट स्पीच केस में मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को बड़ी राहत मिली है।

एमपी–एमएलए कोर्ट मऊ की ओर से सुनाई गई दो साल की सजा पर हाईकोर्ट ने बुधवार को रोक लगा दी है।

इसके साथ ही अब अब्बास अंसारी की विधायकी के बहाल होने की चर्चा भी होने लगी है।

ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं कि आखिर हेट स्पीच का मामला क्या है और मामले में कब कोर्ट ने सजा सुनाई थी...

तीन मार्च 2022 को दर्ज हुआ मुकदमा

नफरती भाषण और चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने के मामले में अभियोजन के अनुसार एसआई गंगाराम बिंद की तहरीर पर शहर कोतवाली में एफआईआर दर्ज हुई।

इसमें सदर विधायक अब्बास अंसारी और अन्य को आरोपी बनाया गया। आरोप था कि तीन मार्च 22 को विधानसभा चुनाव के दौरान सदर विधानसभा सीट से सुभासपा के प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे अब्बास अंसारी ने नगर क्षेत्र के पहाड़पुर मैदान में जनसभा के दौरान कहा कि जनपद मऊ के प्रशासन को चुनाव के बाद रोक कर हिसाब किताब करने व इसके बाद सबक सिखाने की धमकी मंच से दी गई थी।

ये लगीं धारा

धारा – 120 बी, भादवि, आपराधिक षड्यंत्र

धारा– 153 ए, भादवि, धर्म, मूलवंश, जन्म स्थान, निवास स्थान, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता का संप्रवर्तन और सौहार्द्र बने रहने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कार्य करना

धारा – 189 भादवि, लोक सेवक को क्षति कारित करने की धमकी

धारा– 171 एफ भादवि,निर्वाचनों में असम्यक असर डालने या प्रतिपरूपण के लिए दंड

धारा – 506 भादवि, आपराधिक अभित्रास के लिए दंड

31 मई 2025 को कोर्ट ने सुनाई सजा

विधानसभा चुनाव के दौरान नफरती भाषण और चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन के मामले में 31 मई 2025 को एमपी एमएलए कोर्ट मऊ ने मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को सजा सुनाई।

इसके साथ ही अलग– अलग धाराओं के तहत कुल 11 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। इस मामले में अब्बास के साथी मंसूर अंसारी को भी सजा सुनाई गई। धारा 120बी भादवि के तहत उसे छह माह की सजा और एक हजार रुपये अर्थदंड लगाया गया।

एक जून 2025 को खत्म हुई विधायकी

हेट स्पीच केस में सजा के एलान के बाद यूपी के मऊ से सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी की विधायकी खत्म की गई। एक जून को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उनकी सीट को रिक्त घोषित कर दिया। इसके लिए रविवार को छुट्टी के दिन सचिवालय खोला गया था। इसके बाद से ही विधानसभा सीट के उपचुनाव पर सबकी नजरें टिकी थीं।

पांच जुलाई को सजा पर रोक से इनकार

हेट स्पीच केस में दो साल की सजा पर रोक लगाने के साथ जमानत के लिए अब्बास अंसारी ने मऊ के विशेष न्यायाधीश एमपी/एमएलए राजीव कुमार वत्स की अदालत में अर्जी लगाई। सजा के खिलाफ उनकी अपील को मऊ के जिला जज की अदालत ने पांच जुलाई को खारिज कर दिया था।

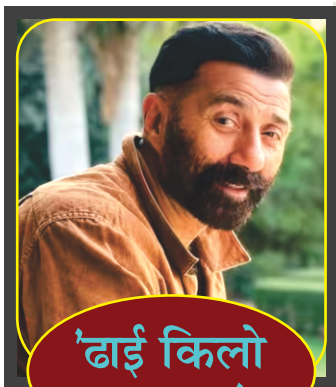

'ढाई किलो का हाथ'

डायलाग से परेशान हो गए थे सनी देओल

बालीवुड स्टार सनी देओल ने खुलासा किया कि लोग चाहते थे कि वह जहां भी जाएं अपना मशहूर डायलाग 'ढाई किलो का हाथ' दोहराएं।

एंटरटेनमेंट डेस्क। सालों से सनी देओल का मशहूर डायलॉग "ढाई किलो का हाथ" उनकी पहचान बन चुका है. फिल्म दमिनी का यह डायलॉग आज भी लोगों की जुबान पर है.

हाल ही में एक इंटरव्यू में सनी ने बताया कि आज उन्हें इस पर गर्व है, लेकिन शुरुआत में यह डायलॉग उन्हें थोड़ा परेशान करता था.

सनी देओल ने बताया कि उन्हें अपने इस मशहूर डायलॉग से इतनी चिढ़ क्यों है?

सनी देओल ने अपने मशहूर डायलॉग "ढाई किलो का हाथ" को लेकर कहा कि शुरुआत में यह उन्हें चिढ़ाने लगा था.

जहां भी वे जाते, लोग उनसे यही डायलॉग सुनना चाहते थे. उन्होंने बताया कि यह गर्व की बात तो है, लेकिन बार–बार वही करने से लगता था कि और भी बहुत कुछ करना बाकी है।

चहल से तलाक के 4 महीने बाद नए प्यार की तलाश में धनश्री

'हम सब प्यार के लिए भूखे हैं'

एंटरटेनमेंट डेस्क। धनश्री वर्मा ने क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से तलाक के 4 महीने बाद अपने टूटे रिश्ते पर बात की है। साथ ही उन्हें जिंदगी में नए प्यार की तलाश भी है। जानिए, तलाक के बाद प्यार को लेकर क्या सोचती हैं धनश्री? हाल ही में कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा ने अपनी पर्सनल लाइफ, करियर को लेकर इंटरव्यू दिया। इस बातचीत में उन्होंने क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से हुए तलाक पर भी बात की है। एक रिश्ता बिखर जाने के बाद भी वह प्यार में विश्वास करती हैं। आगे धनश्री की चाहत प्यार में डूब जाने की है।

सेल्फ लव की बात करती दिखीं धनश्री

ह्यूमंस ऑफ बॉम्बे के पॉडकास्ट में बात करते हुए धनश्री कहती हैं, 'मुझे लगता है कि हम सभी जिंदगी में प्यार चाहते हैं। भला कौन नहीं चाहता कि उसे प्यार मिले? कभी–कभी, प्यार आपको भी मोटिवेट करता है। इसके अलावा खुद से प्यार तो करना ही चाहिए, क्योंकि खुद से प्यार सबसे जरूरी है। खुद को प्यार करो, फिर बाहर प्यार की तलाश करो।'

धनश्री बोलीं– प्यार किसे नहीं चाहिए?

धनश्री क्या आगे प्यार की चाहत रखती हैं? इस सवाल पर वह कहती हैं, 'अगर मेरी जिंदगी में कुछ अच्छा लिखा है, तो क्यों नहीं? असल में, मां–पापा भी चाहते हैं। दोस्त भी चाहते हैं। मैं खुद चाहती हूं कि अच्छा ही हो। प्यार किसे नहीं चाहिए? हम सब प्यार के भूखे हैं। आज, इसी की कमी है। यह सबसे खूबसूरत चीज है। यह बिलकुल बॉलीवुड वाली फीलिंग है। कौन ऐसा अहसास नहीं चाहता? हम सब चाहते हैं, और हम सभी को इसे महसूस करना चाहिए।

अनुष्का से मिलने घर आते थे विराट

मुम्बई,एजेंसी। अनुष्का शर्मा और विराट कोहली बेहतरीन कपल्स में से एक हैं. दोनों अपनी केमिस्ट्री से कपल गोल्स देते हैं. इस कपल की शादी को कई साल हो चुके है और दोनों हमेशा एक–दूसरे का सपोर्ट सिस्टम बने खड़े रहते हैं. फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री शादी से पहले अनुष्का शर्मा के पड़ोसी हुआ करते थे. उन्होंने उस टाइम को याद किया है जब अनुष्का और विराट की शादी नहीं हुई थी. जब विराट उनके घर आया करते थे.

विराट कोहली से शादी से पहले अनुष्का मुंबई में अपनी फैमिली के साथ रहा करती थीं. उनकी फैमिली बैंगलुरु से उनके साथ रहने के लिए मुंबई शिफ्ट हो गई थी. उसी बिल्डिंग में फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री भी रहा करते थे. अनुष्का के पिता और विवेक अच्छे दोस्त भी बन गए थे. द रौनक के साथ पॉडकास्ट में विवेक अग्निहोत्री ने कहा– उस समय अनुष्का मेरी पड़ोसी हुआ करती थीं. हम एक ही सोसाइटी में रहते थे. हम वहां से चले गए और वो भी. मगर उनके पिता आज भी मेरे अच्छे दोस्त हैं. जब उनकी शादी नहीं हुई थी तो अक्सर उनसे मिलने के लिए विराट उनके घर आया करते थे. हमारी सोसाइटी के बच्चे पागल हो जाते थे।

नोरा फतेही ने शेयर किया सिजलिंग हाट वीडियो

फैंस ने जमकर लुटाया प्यार

एंटरटेनमेंट डेस्क। अभिनेत्री और बेहतरीन डांसर नोरा फतेही ने आज अपना एक हॉट और सिजलिंग वीडियो शेयर कर फैंस की बेचैनी को बढ़ा दिया है। नोरा ने फैंस का शुक्रिया भी अदा किया है। नोरा फतेही ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक हॉट एंड सिजलिंग वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में नोरा बोल्ड लुक में नजर आ रही हैं। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है।

नोरा का पोस्ट

नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम पर अपना एक बोल्ड एंड हॉट वीडियो शेयर कर फैंस को सरप्राइज कर दिया है। इस वीडियो में नोरा रेड क्रॉप टॉप के साथ डेनिम शॉर्ट्स में समंदर किनारे सिजलिंग पोज देती नजर आ रही हैं। नोरा का यह लुक फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है। इस शानदार वीडियो के साथ नोरा ने कैप्शन में लिखा, 'ओह मामा टेटेमा स्पॉटिफी चार्ट पर आगे बढ़ रहा है। धन्यवाद मेरे प्यारे... स्ट्रीमिंग करते रहो, उन्हें अपनी शक्ति दिखाओ।'

नोरा का सॉन्ग

नोरा फतेही और तंजानियाई कलाकार रेवनी ने अफ्रोबीट और देसी धुनों का मिश्रण करते हुए 'ओह मामा टेटेमा" रिलीज किया है। बॉस्को लेस्ली मार्टिस ने इस गाने को निर्देशित और और कोरियोग्राफ किया है। इस वीडियो में नोरा के जबरदस्त डांस मूव्स हैं। यह गाना नोरा के फैंस के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है। यह म्यूजिक वीडियो 10 अगस्त, 2025 को यूट्यूब पर रिलीज किया गया था।

फैंस के कमेंट्स

नोरा का यह वीडियो फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है। एक फैन ने लिखा, 'बहुत सुन्दर वीडियो', एक और फैन ने लिखा, 'आप हमेशा अपने लुक से कमाल करती हैं', एक और फैन ने लिखा, 'मेरी पसंदीदा डांसर नोरा', एक और फैन ने लिखा, 'आप बहुत सुन्दर हैं', एक और फैन ने लिखा, 'बहुत खूबसूरत', एक और फैन ने लिखा, 'भगवान की सबसे सुंदर रचना।'

नोरा का करियर

नोरा फतेही कनाडाई अभिनेत्री, मॉडल और डांसर हैं। नोरा ने 'रोरः टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन्स' से अभिनय की शुरुआत की, लेकिन उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्मों में बेहतरीन डांस किया है। नोरा ने 'दिलबर' और 'कमरिया' जैसे लोकप्रिय गानों में अपने डांस से दर्शकों का दिल जीता है।

अपूर्वा पर एक्स बायफ्रेंड ने लगाए धोखा देने के आरोप

कहा– अब बकवास की तो रसीदें दिखा दूंगा, तुम अपना घर कलेश से चलाओ, झूठ बोलना बंद करो।

मुम्बई,एजेंसी। रेबल किड नाम से मशहूर इन्फ्लूएंसर अपूर्वा मुखिजा पर एक्स बॉयफ्रेंड उत्सव दहिया ने धोखा देने के आरोप लगाए और जमकर लताड़ा। उत्सव ने उनके लिए एक गाना बनाया, जिसकी लिरिक्स के जरिए उन्होंने बताया है कि वेलेंटाइन्स डे से पहले अपूर्वा ने उनके साथ दोबारा रिलेशनशिप में आने की रिक्वेस्ट की थी, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। बाद में उन्हें समझ आया कि उस समय अपूर्वा का शो सैडी ट्राइंग टू बी बैडी रिलीज होने वाला था, जिसकी पब्लिसिटी के लिए वो रिलेशनशिप ठीक करने का ढोंग कर रही थीं। उत्सव ने ये भी बताया है कि रिलेशनशिप में रहते हुए अपूर्वा ने उन्हें चीट किया और अय्याशियां कीं।

सान्ग के साथ उत्सव ने कैप्शन में लिखा है, **'अब अगर कोई और बकवास करी तो मैं सीधा रसीदें निकालुंगा। झूठ फैलाकर दया हासिल करने और झूठी कहानियां बनाकर कंटेंट बनाकर आनलाइन किसी का कैरेक्टर खराब करने की कोशिश मत करना। ज्यादा फश्वलोअर्स होना ये हक नही देता कि आप गुस्से में लोगों को भड़का कर किसी पर भीड़ छोड़ दें।**

शुभमन गिल के नाम पर हर किसी की नजरें बनी हुई थी, जैसे ही एशिया कप 2025 के लिए मुंबई स्थित बीसीसीआई हेडक्वार्टर में मीटिंग शुरू हुई, तो चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने सबसे पहले कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम लिया। इसके बाद उन्होंने उपकप्तान के लिए शुभमन गिल का नाम लिया। गिल का नाम सुनकर फैंस ने राहत भरी सांस जरूर ली होगी, लेकिन निराशा जब हुई जब श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल का नाम सेलेक्टर ने नहीं लिया।
तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की एशिया कप के लिए भारतीय टीम में वापसी हुई, लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे रहे जिन्हें इग्नोर कर बीसीसीआई ने सवाल खड़े करने का लोगों को मौका दिया। 15 सदस्यीय वाली भारतीय टीम में अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन जैसे खिलाड़ी इस टीम में टाप आर्डर का जिम्मा मिलेगा। वहीं टीम में हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे और अक्षर पटेल जैसे आलराउंडर्स भी शामिल हैं। इसके अलावा अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा तेज गेंदबाजी को यूनिट को संभालेंगे। स्पिनर्स में वरुण चक्रवतह्र और कुलदीप यादव भी टीम में हैं।

गिल उपकप्तान, बुमराह भी खेलेंगे

भारतीय टीम का एलान

एशिया कप टी20 2025 के लिए भारतीय टीम का एलान हो चुका है। एशिया कप का आगाज नौ सितंबर से यूएई में होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबले मैच 14 सितंबर को है।

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप टी20 के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में यह टीम इस टूर्नामेंट में उतरेगी। वहीं, शुभमन गिल भी यह टूर्नामेंट खेलते दिखेंगे। उन्हें उपकप्तान बनाया गया है।

इससे पहले भारतीय टीम ने पिछली बार जब इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी में टी20 खेला था तो उसमें शुभमन नहीं थे। शुभमन की इस टीम में वापसी हुई है। वहीं, जसप्रीत बुमराह पर भी सस्पेंस खत्म हो चुका है। वह भी एशिया कप में खेलते दिखेंगे। इसके अलावा टीम में वही खिलाड़ी हैं जो पहले टीम का हिस्सा रहे हैं। रिंकू सिंह जगह बनाने में कामयाब रहे हैं, जबकि श्रेयस अय्यर की एक बार फिर अनदेखी की गई है। भारतीय टीम में चार विशेषज्ञ बल्लेबाज हैं, जबकि चार ऑलराउंडर्स हैं। जितेश और सैमसन के रूप में दो विकेटकीपर बल्लेबाज हैं, जबकि तीन विशेषज्ञ पेसर और दो विशेषज्ञ स्पिनर्स हैं।
बीसीसीआई ने अपडेट देते हुए बैठक की तस्वीर साझा की है। इस बैठक में चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर समेत सभी चयनकर्ता और भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव मौजूद हैं। बैठक की अध्यक्षता बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया कर रहे हैं।

श्रेयर अय्यर से लेकर केएल राहुल तक

दिग्गजों को नहीं मिली जगह

दिल्ली,एजेंसी। एशिया कप 2025 के लिए मंगलवार को 15 सदस्यीय भारतीय टीम का एलान हुआ। इसके लिए बीसीसीआई हेडक्वार्टर में एक बैठक हुई। बारिश के चलते बैठक शुरू होने में देरी हुई। मीटिंग के बाद चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर और कप्तान सूर्यकुमार यादव प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए आए। इस दौरान ही भारतीय टीम के 15 प्लेयर्स के नाम भी बताए गए।

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप 2025 के लिए मंगलवार को 15 सदस्यीय भारतीय टीम का एलान हुआ। इसके लिए बीसीसीआई हेडक्वार्टर में एक बैठक हुई। बारिश के चलते बैठक शुरू होने में देरी हुई। मीटिंग के बाद चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर और कप्तान सूर्यकुमार यादव प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए आए। इस दौरान ही भारतीय टीम के 15 प्लेयर्स के नाम भी बताए गए।

गिल बने उपकप्तान

शुभमन गिल को उपकप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा खराब आईपीएल के बाद रिंकू सिंह को टीम में जगह दी गई। इंग्लैंड दौरे पर 3 टेस्ट खेलने वाले जसप्रीत बुमराह ने पहले ही साफ कर दिया था कि वह एशिया कप के लिए उपलब्ध हैं। ऐसे में उन्हें 15 सदस्यीय टीम में जगह दी गई।

इन प्लेयर्स का टूटा दिल

एशिया कप के लिए भारतीय टीम के एलान के साथ ही कई प्लेयर्स का दिल भी टूटा है। कुछ दिग्गज प्लेयर्स को भारतीय स्क्वॉड में जगह नहीं दी गई है। इनमें यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत, तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, श्रेयस अय्यर और स्पिनर युजवेंद्र चहल शामिल हैं। अजीत अगरकर ने कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि श्रेयस अय्यर टीम से बाहर हो गए। इसमें उनकी कोई गलती नहीं है, लेकिन हमारी भी नहीं। उन्हें अपने मौके का इंतजार करना होगा।" यशस्वी जायसवाल को स्टैंड बाय पर रखा गया है। पंत की इंजरी पर कोई अपडेट नहीं आया है। ऐसे में पूरी संभावना है कि वह ठीक नहीं हुए होंगे। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में तहलका मचाने वाले मोहम्मद सिराज भी इस टीम से नदारद हैं। स्पिनर युजवेंद्र चहल के नाम भी टीम में नहीं है।

महिला विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान

भारतीय महिला टीम
हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, अमनजोत कौर, राधा यादव, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर) और स्नेह राणा।

स्पोर्ट्स डेस्क। महिला वनडे विश्व कप 2025 और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम का एलान होगा। शेफाली वर्मा और रेणुका ठाकुर के चयन को लेकर चयनकर्ताओं को कड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। भारत की नजरें पहली बार ट्रॉफी उठाने पर हैं। महिला विश्व कप 2025 के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को भारतीय महिला टीम का एलान कर दिया। शेफाली वर्मा को मौका नहीं मिला है। हरमनप्रीत कौर कप्तान हैं जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान हैं।

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिनः— 273003
UPHIN/2023/90814
बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com
नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।